पश्चिम बंगाल विधानसभा ने सर्वसम्मति से अपराजिता महिला और बाल विधेयक को 3 सितंबर को ध्वनि मत से पारित कर दिया। जैसा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे ''ऐतिहासिक'' कहा।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:263 दिनांक:04-09-2024 बुधवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

भारतीय महिला पैरा एथलीट दीप्ति जीवांजी ने महिला 400 मीटर टी20 वर्ग में कांस्य पदक जीता। दीप्ति ने फाइनल में 55.82 सेकेंड का समय लिया और उनका रिएक्शन टाइम 0.164 सेकेंड रहा। इस तरह दीप्ति तीसरे स्थान पर रहीं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में एंटी रेप बिल पास

अब बंगाल में बलात्कारी को 10 दिन में फांसी

कोलकाता(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विशेष सत्र के दूसरे दिन मंगलवार के ममता सरकार में कानून मंत्री मोलॉय घटक ने एंटी रेप बिल पास कर दिया है। इसे अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024 नाम दिया है। अब बंगाल में रेप के दोषी को 10 दिन में मौत की सजा और मामले की जांच 36 दिन में पूरी करनी होगी। इस बिल को पारित करने के लिए 2 सितंबर से दो दिन विशेष विधानसभा सत्र बुलाया गया था।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 8-9 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर के बाद से ही डॉक्टर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इस घटना के बाद ही ममता सरकार एंटी रेप बिल लाई है। अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024 पर विधानसभा में चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि दुष्कर्म पीडिता, उसके परिवार के प्रति मैं अपनी संवेदना प्रकट करती हूं। यह ऐतिहासिक विधेयक है। विधेयक का उद्देश्य त्वरित जांच, त्वरित न्याय और दोषियों को कड़ी सजा देना है। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म मानवता के खिलाफ अभिशाप है और ऐसे अपराधों को रोकने के लिए सामाजिक सुधारों की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विधेयक के प्रावधानों के तहत हम जांच को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए एक विशेष अपराजिता टास्क फोर्स का गठन करेंगे। जिससे तय समय में महिला-बाल अपराधों के मामले में जांच पूरी कर दोषियों को सजा दिलाई जा सकेगी।

प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से मांगा इस्तीफा

बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से उनकी सरकार ने पीडितों और उनके परिजनों को न्याय दिलाने के लिए केंद्रीय कानूनों में मौजूद खामियों को दूर करने की कोशिश की है। साथ ही ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उन सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के इस्तीफे की मांग की, जो महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी कानून लागू करने में सक्षम नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने अपराजिता महिला-बाल विधेयक को ऐतिहासिक बताते हुए अन्य राज्यों के लिए भी इस विधेयक को आदर्श बताया। विधेयक पर चर्चा के दौरान भाजपा विधायकों ने सीएम ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग की। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए सीएम ने कहा कि क्या होगा अगर मैं भी उन्हीं कारणों से प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ नारे लगाऊं, जिन कारणों से आप मेरे खिलाफ नारे लगा रहे हैं।

यूपी- गुजरात में ज्यादा होते हैं महिला अपराध

ममता बनर्जी ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध दर असामान्य रूप से अधिक है, जबकि पश्चिम बंगाल में प्रताडित महिलाओं को अदालतों में न्याय मिल रहा है। ममता बनर्जी ने कहा कि महिला अपराधों की रोकथाम के लिए बनाए गए केंद्र सरकार के कानून बीएनएस बनाते समय बंगाल से परामर्श नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि नई सरकार के गठन के बाद वह इस पर चर्चा चाहते थे। उन्होंने विपक्ष से कहा कि वे राज्यपाल से बिना देरी किए विधेयक पर हस्ताक्षर करने के लिए कहें।

आईसी 814 विवाद: केंद्र के साथ बैठक के बाद नेटफ्लिक्स बदलाव को तैयार

नई दिल्ली,(ईएमएस)। वेब सीरीज 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' को लेकर बवाल के बाद नेटफ्लिक्स इसमें बदलाव करने के लिए तैयार है। इस सीरीज़ में आतंकियों के नाम भोला और शंकर रखे जाने को लेकर विवाद है। सीरीज़ के भारी विरोध के बाद केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स इंडिया की कंटेंट हेड को समन जारी कर बुलाया था। मंगलवार को नेटफ्लिक्स हेड मोनिका शेरगिल मंत्रालय के अधिकारियों के सामने पेश हुईं।

मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और मोनिका की बैठक में बातचीत हुई। इस दौरान केंद्र सरकार को नेटफ्लिक्स की ओर से कहा गया कि वेब सीरीज 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' के आपत्तिजनक हिस्से में बदलाव करने के लिए तैयार है। साथ ही ये भी भरोसा दिलाया कि भविष्य में नेटफ्लिक्स पर जो भी फिल्में या वेब सीरीज़ आएंगी, उसे देश के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा।

इस मामले पर केंद्र सरकार ने कहा है कि क्रिएटिविटी के नाम पर भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाई जा सकती है। सरकार का कहना है कि हम सपोर्ट करने के साथ कंटेंट और कंटेंट क्रिएटर्स को आगे भी बढ़ा रहे हैं लेकिन फैक्ट्स के साछ छेड़छाड़ नहीं होना चाहिए। फिल्म या सीरीज़ को रिलीज़ करने से पहले सही रीसर्च करनी चाहिए और फैक्ट चेक भी होना चाहिए।

'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' का निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है। इस सीरीज़ को 29 अगस्त को नेटफ्लिक्ट पर रिलीज़ की गई। सीरीज़ में 6 एपिसोड हैं. ये 1999 में हुए कंधार प्लेन हाईजैक की घटना पर आधारित है। विवाद है, इस सीरीज़ के दो हाईजैकरों के नाम पर। इस प्लेन को पांच हाईजैकरों ने हाईजैक किया था. इन आतंकियों ने हाईजैकिंग के दौरान अपने कोड नेम रखे थे। इनके नाम थे, भोला, शंकर, डॉक्टर, बर्गर और चीफ। इसे लेकर सोशल मीडिया पर लोगों ने हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। विवाद के बाद सरकार ने नेटफ्लिक्स हेड को तलब किया और अब इसमें ओटीटी प्लैटफॉर्म बदलाव के लिए तैयार हो गया है।

सेबी की चीफ के साथ जुड़ा आई सी आई सी आई बैंक का नाम, शेयरों में आई गिरावट

बैंक ने दी सफाई, माधबी बुच को सिर्फ रिटायरमेंट के लाभ दिए गए

नई दिल्ली,(ईएमएस)। आईसीआईसीआई बैंक ने कांग्रेस द्वारा मार्केट रेग्युलेटर सेबी की चीफ माधबी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया है। बैंक ने इसको लेकर दो टूक कहा कि सेबी चेयरपर्सन के रिटायर होने के बाद उनके सेवानिवृत्ति लाभों के अलावा किसी भी तरह का कोई वेतन या ईएसओपी नहीं दिया गया है। बता दें कि बुच को मुद्दा बनाते हुए बीजेपी पर निशाना साधते हुए कांग्रेस ने दावा किया था कि सेबी चीफ एक साथ तीन जगहों आईसीआई सीआई बैंक, आईसीआई सीआई प्रुडेंशियल और सेबी से एक साथ सैलरी ले रही थीं। इस विवाद का असर आईसी आईसी आई बैंक शेयर पर दिखा है ये मंगल वार को गिरावट के साथ लाल निशान पर खुला। कांग्रेस के आरोपों के बाद इन पर अपना स्पष्टीकरण देते हुए आईसी आईसीआई बैंक ने कहा है कि आईसी आईसीआई बैंक या इसकी अन्य ईकाई ने माधबी पुरी बुच को उनके रिटायरमेंट के बाद सिर्फ रिटायरमेंट लाभ दिए हैं। इसके अलावा कोई सैलरी या कोई ईएसओपी का लाभ नहीं दिया है।

बैंक के स्टेटमेंट में कहा गया कि यह ध्यान देने वाली बात है कि सेबी चीफ ने बैंक से 31 अक्टूबर, 2013 से रिटायरमेंट का विकल्प चुना था। ग्रुप के साथ अपने रोजगार के दौरान उन्हें बैंक की तय नीतियों के मुताबिक ही सैलरी, बोनस, ईएसओपी और रिटायरमेंट बेनेफिट्स मिला था जबकि रिटायरमेंट के बाद कोई अलग से बेनेफिट नहीं दिया गया। बीते दिनों अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने सेबी चीफ पर गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद से ही माधबी बुच कांग्रेस के निशाने पर आ गई।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने सेबी चीफ को लेकर कई दावे किए थे। उन्होंने बीजेपी पर भी निशाना साधते हुए कहा था कि इस देश में शतरंज का खेल चल रहा है लेकिन खिलाड़ी कौन है, इस पर हम निर्णायक तौर पर नहीं पहुंचे हैं। अलग-अलग मोहरे हैं. उनमें से एक मोहरा जिनका नाम है माधबी पुरी बुच। उन्होंने आंकड़े पेश करते हुए कहा था कि सेबी चीफ माधबी को 2017 और 2024 के बीच आईसीआईसीआई बैंक से 16.8 करोड़ रुपए की नियमित आय प्राप्त हुई। उन्होंने सवाल किया कि अगर आप पूर्णकालिक सेबी सदस्य हैं, तो आप आईसीआईसीआई बैंक से वेतन क्यों ले रही थीं। यही नहीं ईएसओपी और इसका टीडीएस भी आईसीआईसीआई बैंक से ले रही थीं। इन्हें लेकर बैंक ने स्टेटमेंट जारी कर स्थिति साफ की है।

सेबी चीफ पर आरोपों में आईसीआईसीआई बैंक का नाम शामिल किए जाने और इस पर बैंक के स्पष्टीकरण का असर आज इस बैंकिंग स्टॉक पर देखने को मिला है। बीते कारोबारी दिन जब कांग्रेस की ओर से ये आरोप लगाए गए थे, तब आईसीआईसीआई बैंक शेयर मामूली गिरावट के साथ क्लोज हुआ था। 1239 रुपए पर ओपन होने के बाद ये शेयर स्टॉक बाजार में कारोबार खत्म होने पर 1229.05 रुपए पर बंद हुआ। वहीं मंगलवार को भी इस शेयर में गिरावट देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में ये शेयर टूटकर 1227.20 रुपए पर खुला और कुछ ही मिनटों में 122.05 रुपए तक टूट गया।

केजरीवाल की हिरासत 11 तक बढ़ी

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े सीबीआई केस में सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 11 सितंबर तक बढ़ गई है। मंगलवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। 27 अगस्त को केजरीवाल तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए थे। सीबीआई ने 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी की मांग की थी, लेकिन अदालत ने एक हफ्ते ही हिरासत बढ़ाई।

तेलंगाना-आंध्र में बारिश-बाढ़ से 33 की मौत

23 राज्यों में आज बारिश की संभावना, गुजरात में रेड अलर्ट

नई दिल्ली(ईएमएस)। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में पिछले 3 दिनों से भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ आ गई है। दोनों राज्यों में अब तक 33 लोगों की मौत हुई है। इनमें 17 लोग आंध्र और 16 तेलंगाना के थे। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि उन्होंने अपने 50 साल के पॉलिटिकल करियर में यह सबसे बड़ी त्रासदी देखी है। हुदहुद और तितली साइक्लोन की तुलना में पिछले तीन दिनों की बारिश से ज्यादा नुकसान हुआ है। राज्य में करीब 4.5 लाख लोग प्रभावित हैं।

मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित 23 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। गुजरात के सूरत और भरूच जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट है।

हिमाचल में वित्तीय संकट.......वेतन और पेंशन नहीं मिला कर्मचारियों को

शिमला (ईएमएस)। भले ही हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के गहराते वित्तीय संकट के बारे में चिंताओं को दूर करने की कोशिश की हो, लेकिन सेवारत और सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों की वेतन और पेंशन में देरी ने इस आंशका को सच साबित कर दिया। जब सोमवार को उनके बैंक खातों में कोई भुगतान नहीं किया गया। आम तौर पर वेतन और पेंशन हर माह की पहली तारीख को उनके बैंक खातों में जमा कर दी जाती है। हालाँकि, रविवार होने के कारण वेतन सोमवार को वितरित किया जाना चाहिए था, जो नहीं हुआ, जिससे दो लाख से अधिक नियमित कर्मचारी काफी चिंतित हैं।

अभी भी कोई आधिकारिक बयान नहीं है, कि वेतन कब वितरित होगा, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के साथ-साथ नौकरशाही के बीच भी चिंता है कि गंभीर वित्तीय संकट के बीच स्थिति से कैसे निपटा जाए। हालांकि पिछले शासनकाल में इसतरह के उदाहरण आए हैं जब राजकोष घाटे में चला गया, लेकिन वेतन और पेंशन में कभी देरी नहीं हुई। हालाँकि, इस बार देरी एक दिनचर्या बन सकती है क्योंकि अधिक ऋण जुटाने का कोई प्रावधान नहीं है और राज्य पूरी तरह से केंद्र पर निर्भर है। विडंबना यह है कि एचपी राज्य विद्युत बोर्ड के कर्मचारी और पेंशनभोगी, जिन्हें अतीत में हमेशा देरी से वेतन मिलता था, भुगतान प्राप्त करने वाले एकमात्र व्यक्ति थे।

सीएम सुक्खू ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाया है, जिसका दोष उन्होंने उनके द्वारा शुरू की गई मुफ्त की संस्कृति को दिया है। राज्य विधानसभा में सुक्खू कहना चाहते थे कि इन सभी मुफ्त सुविधाओं ने उस वित्तीय संकट में प्रमुख भूमिका निभाई है जिसका राज्य वर्तमान में सामना कर रहा है। लेकिन उन्होंने सदन के सदस्यों से कहा कि राज्य के खजाने की स्थिति जल्द ही बेहतरी के लिए बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि वह हिमाचल प्रदेश को 2027 तक आर्थिक रूप से स्वतंत्र राज्य और 2032 तक देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाना चाहते हैं।

कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने पर सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजीव शर्मा ने कहा कि हर बार पेंशनभोगियों और कर्मचारियों को हर महीने की 1 तारीख तक वेतन मिल जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसा मैं पहली बार देख रहा हूं जब 3 सितंबर है और कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है।

संदीप घोष को कोर्ट से झटका

-आरजी कर के पूर्व प्रिंसिपल को 8 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा

कोलकाता,(ईएमएस)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के बाद जांच के दायरे में आए आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ संदीप घोष को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने डॉ घोष को 8 दिनों के लिए सीबीआई की हिरासत में भेजने का आदेश दिया है।

यहां बता दें कि सीबीआई ने अदालत से डॉ घोष की 10 दिन की हिरासत मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने 8 दिनों की सीबीआई हिरासत मंजूर की है। वहीं, अदालत ने इसी मामले में गिरफ्तार चल रहे एक अन्य आरोपी अफसर अली खान की जमानत याचिका को भी खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि सीबीआई ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुए ट्रेनी महिला डॉक्टर रेप व मर्डर मामले में जांच शुरु करते हुए अनेक लोगों से पूछताछ की थी। इनमें मेडीकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए उन्हें भी आरोपी बनाया गया था। इसे लेकर सीबीआई कई दिनों की पूछताछ के बाद कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ संदीप घोष को सोमवार को हिरासत में ले लिया था। वैसे डॉ घोष की यह गिरफ्तारी भ्रष्टाचार के मामले को लेकर की गई है। आज अदालत में उन्हें पेश किया गया, जिसके बाद सीबीआई ने 10 दिन की हिरासत मांगी, लेकिन कोर्ट ने 08 दिन सीबीआई हिरासत की इजाजत दी है। गौरतलब है कि सीबीआई ने यह कार्रवाई 15 दिनों से अधिक की पूछताछ पूर्ण करने के बाद की है। इस मामले में और खुलासे होने की उम्मीद जताई जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट की निचली अदालतों को हिदायत पीठ के फैसलों के खिलाफ काम ना करे

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त हिदायत दी कि निचली अदालतों के लिए मुकदमों की जल्दी सुनवाई के लिए हाई कोर्ट समय सीमा तय कर रहे हैं और सिर्फ इस आधार पर जमानत देने से इंकार सही नहीं है। अदालत ने कहा कि यह शीर्ष अदालत के फैसले के खिलाफ है, क्योंकि इस तरह की समयावधि निर्धारित करना असाधारण मामलों में ही तय किया जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि हाई कोर्ट द्वारा मुकदमों के जल्दी निपटान और जल्द सुनवाई के लिए जमानत देने से इंकार शीर्ष अदालत की संविधान पीठ के फैसलों के खिलाफ है।

रिपोर्ट मुताबिक, पीठ ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ की घोषणा के बावजूद, हमने देखा है कि कई उच्च न्यायालय जमानत खारिज करते समय मुकदमों की जल्दी सुनवाई तय करे हैं। ऐसा नहीं हो सकता और सिर्फ इस आधार पर जमानत से इंकार करे कि मुकदमे का निपटारा शीघ्रता से होगा। मुकदमे की सुनवाई की सीमा का ऐसा निर्धारण केवल बहुत ही असाधारण मामलों में किया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि फरवरी में न्यायमूर्ति ओका की अध्यक्षता में संविधान पीठ के फैसले में कहा गया था कि अदालतों को किसी अन्य अदालत में लंबित मामलों के लिए समयबद्ध कार्यक्रम निर्धारित करने से बचना चाहिए।

पीएम मोदी का ब्रुनेई दौरा, सुल्तान हसनल से करेंगे मुलाकात

सिंगापुर पीएम के निमंत्रण पर दो दिवसीय दौरे पर कल जाएंगे मोदी

नई दिल्ली, (ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी मंगलवार को ब्रुनेई दौरे पर रवाना हो गए। यह दौरा एक दिन का होगा। इसके बाद वह बुधवार को सिंगापुर के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। पीएम मोदी का ब्रुनेई और सिंगापुर का ये तीन दिवसीय दौरा अहम माना जा रहा है। पीएम मोदी, सुल्तान हसनल बोल्कैया के निमंत्रण पर ब्रुनेई गए हैं। वह भारत के पहले पीएम होंगे, जो ब्रुनेई का दौरा करेंगे। इस साल दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 40 साल पूरे हो रहे हैं।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा-अगले दो दिन ब्रुनेई और सिंगापुर के दौरे पर रहूंगा। इन देशों में कई कार्यक्रमों में शामिल होने के दौरान ध्यान इन देशों के साथ भारत के संबंधों को और गहरा करने पर होगा। भारत और ब्रुनेई के बीच राजनयिक संबंधों के 40 साल पूरे हो रहे हैं। पीएम मोदी, सुल्तान हाजी हसनल से मिलने को लेकर उत्सुक हैं। सिंगापुर में वह राष्ट्रपति थर्मन शणमुगरत्नम, पीएम लॉरेन्स वॉन्ग, वरिष्ठ मंत्री ली सेन लुंग और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों से मिलेंगे। हम कई प्रमुख क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने को लेकर उत्सुक हैं।

पीएम मोदी के इस दौरे में व्यापारिक संबंधों को बढ़ाने के साथ अंतरिक्ष और रक्षा सेक्टर में सहयोग को भी बढ़ाएंगे। ब्रुनेई के साथ भारत पहले ही अंतरिक्ष सेक्टर में कई अहम समझौते कर चुका है। इसके साथ ही इस दौरे से दोनों देशों के बीच कच्चे तेल और हाइड्रोकार्बन के क्षेत्र में भी संबंध मजबूत होंगे। इस दौरे पर सेमीकंडक्टर और हाइड्रोकार्बन आयात पर फोकस होने की उम्मीद है। इस क्षेत्र में कुछ समझौते भी हो सकते हैं। ब्रुनेई को भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और इंडो पैसिफिक के विजन के लिहाज से काफी अहम देश माना जाता है।

पीएम मोदी 4 सितंबर को सिंगापुर के दो दिनों के दौरे पर रवाना होंगे। यह पीएम मोदी का सिंगापुर का पांचवां दौरा होगा। वह पीएम लॉरेंस वॉन्ग के निमंत्रण पर सिंगापुर जा रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम से भी मुलाकात करेंगे। इसके साथ ही सिंगापुर के बिजनेस लीडर्स से उनकी मुलाकात इस दौरे का अहम बिंदु है।

अजय रात्रा टीम इंडिया के सिलेक्टर बने

नई दिल्ली (ईएमएस)। अजय रात्रा टीम इंडिया के सिलेक्टर बन गए हैं। बीसीसीआई ने रात्रा को भारत की पुरुष चयन समिति का सदस्य नियुक्त किया है। वह सलिल अंकोला की जगह लेंगे। रात्रा, चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के साथ मिलकर भारतीय टीम का सिलेक्शन करेंगे। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रात्रा का इंटनरेशनल करियर 18 मैचों में ही खत्म हो गया था। उन्होंने साल 2002 में 6 टेस्ट और 12 वनडे मैच खेले, जिसमें क्रमशः 163 और 90 रन बनाए। हालांकि, रात्रा को घरेलू क्रिकेट का काफी अनुभव है। उन्होंने हरियाणा के लिए 99 प्रथम श्रेणी मैचों में 4029 रन जुटाए और 240 से अधिक शिकार किए।

बीसीसीआई ने बयान में कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की क्रिकेट सलाहकार समिति (सीईसी) ने अजय रात्रा को अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली पुरुष चयन समिति का नया सदस्य नियुक्त किया। रात्रा समिति में सलिल अंकोला की जगह लेंगे।

42 वर्षीय रात्रा को असम, पंजाब और उत्तर प्रदेश के मुख्य कोच के रूप में काम करने का अनुभव है। वह 2023 में दक्षिण अफ्रीका में वनडे सीरीज सीरीज के दौरान भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ का भी हिस्सा थे। पिछले साल अगरकर को चीफ सिलेक्टर नियुक्त किए जाने के बाद चयन पैनल में पश्चिम क्षेत्र से दो चयनकर्ता थे। अंकोला पहले से ही समिति का हिस्सा थे।

सुरक्षाबलों ने 9 नक्सली मार गिराए

-दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर रुक-रुक कर फायरिंग जारी; मारे गए नक्सलियों के शव, हथियार-विस्फोटक बरामद

जगदलपुर(ईएमएस)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर मंगलवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 9 नक्सलियों को मार गिराया है। इलाके में सुबह करीब 10.30 बजे से जवानों और नक्सलियों के बीच रुक-रुककर फायरिंग हो रही है। मुठभेड़ किरंदुल थाना क्षेत्र में बैलाडीला के जंगल में हुई।

जवानों ने मुठभेड़ में मारे गए सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिए हैं। नक्सलियों के पास से एसएलआर राइफल, 303 और 315 बोर राइफल, विस्फोटक बरामद हुआ है। फिलहाल इलाके में सर्चिंग ऑपरेशन जारी है। ऑपरेशन में शामिल सभी जवान सुरक्षित बताए जा रहे हैं। इसकी पुष्टि दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने की है।

नक्सलियों की सूचना पर रात में रवाना हुए थे जवान

बैलाडीला की पहाड़ियों के नीचे पुरंगेल, लोहा गांव की तरफ पश्चिम बस्तर डिवीजन के माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद डीआरजी और सीआरपीएफ के जवानों को रात में सर्च ऑपरेशन के लिए भेजा गया था। जवान जब नक्सलियों के कोर इलाके में घुसे तो नक्सलियों ने गोलियां बरसाना शुरू कर दिया।

राहुल गांधी ने राय मांगी; हुड्डा 3-4 सीटों पर राजी, चंडीगढ़ में इसी फॉमूले से निगम-लोकसभा जीते

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस-आप में हो सकता है गठबंधन

पानीपत(ईएमएस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच राजनीति को चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां चुनाव में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में गठबंधन हो सकता है। दोनों ही पार्टियां पहले ही इंडिया ब्लॉक के सदस्य हैं। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक इसकी पहल राहुल गांधी ने की है। केंद्रीय चुनाव समिति की मीटिंग में राहुल गांधी ने हरियाणा के नेताओं से इस बारे में पूछा। इसके बाद एक सीनियर नेता की डयूटी लगाई कि वह इस बारे में प्रदेश के नेताओं से बात करे। इससे पहले लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस-आप ने मिलकर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने 9 और आप ने 1 सीट पर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस 5 सीटें जीती लेकिन आप कुरूक्षेत्र सीट हार गई थी। हालांकि चंडीगढ़ चुनाव में एक साथ लडऩे पर कांग्रेस-आप ने निगम और लोकसभा चुनाव जीता था।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक चुनाव समिति की मीटिंग में राहुल गांधी ने नेताओं से पूछा कि क्या हमें हरियाणा में आम आदमी पार्टी से गठबंधन करना चाहिए?। वहां राय जानने की कोशिश के बाद सीनियर नेता को कहा कि वह नेताओं से बात करे। गठबंधन संभव है या नहीं और अगर हुआ तो इसके फायदे-नुकसान क्या होंगे, इसके बारे में रिपोर्ट मांगी है।

अपनाया जाएगा लोकसभा चुनाव वाला फॉर्मूला

माना जा रहा है कि गठबंधन हुआ तो सीट बंटवारे को लेकर लोकसभा चुनाव वाला फॉर्मूला ही अपनाया जा सकता है। इसको लेकर आज शाम को होने वाली केंद्रीय चुनाव समिति की दूसरी मीटिंग में स्थिति साफ हो सकती है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया ने कहा गठबंधन हो सकता है। इसके लिए आप और बाकी इंडिया के सहयोगी बाकी दलों के साथ बातचीत चल रही है। हम हरियाणा में वोटों का धुवीकरण और भाजपा को रोकना चाहते हैं। वहीं इस मामले में भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि अगर गठबंधन होता है तो आप को केवल 3-4 सीटें दे सकते हैं। मगर, आप इससे ज्यादा मांग रही है, इसलिए गठबंधन मुश्किल है। वहीं भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि कांग्रेस को पता लग गया है कि वह हरियाणा नहीं जीत सकती। इसलिए आखिरी वक्त में कुछ उपाय कर रही है। आप से गठबंधन की बात कर रही है लेकिन प्रदेश की जनता भाजपा के साथ है। कांग्रेस जो मर्जी कर ले, किसी से गठबंधन कर ले, भाजपा ही आएगी।

भाजपा को हराना प्राथमिकता

वहीं आप के संजय सिंह ने कहा कि भाजपा और उसकी नफरत की राजनीति तथा लोगों, किसानों और युवाओं के खिलाफ राजनीति को हराना हम सभी की प्राथमिकता है। हालांकि, सिंह ने कहा कि इस मुद्दे पर कोई भी आधिकारिक रुख आप के हरियाणा मामलों के प्रभारी संदीप पाठक और प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता द्वारा तय किया जाएगा। आप के वरिष्ठ नेता ने कहा, इस संबंध में कोई भी अंतिम निर्णय केजरीवाल की मंजूरी के बाद हरियाणा में संगठनात्मक और चुनाव संबंधी कार्यों से जुड़े हमारे नेताओं द्वारा लिया जाएगा।

एटलस साइकल्स के पूर्व प्रेसिडेंट सलिल कपूर ने गोली मारकर आत्महत्या की

नई दिल्ली (ईएमएस)। एटलस साइकल्स के पूर्व प्रेसिडेंट सलिल कपूर ने मंगलवार को दिल्ली स्थित अपने निवास पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने आर्थिक बोझ का जिक्र करते हुए कुछ लोगों पर उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इस बारे में जानकारी देते हुए दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कपूर का शव दोपहर करीब 1 बजे उनके मैनेजर ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रोड स्थित उनके घर के पूजा कक्ष के पास खून से लथपथ पाया। अधिकारी के अनुसार, कपूर ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से अपने सिर में गोली मारी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि कपूर के परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं, जो कि उनसे अलग रहते हैं। तीन मंजिला इमारत में कपूर अपने मैनेजर और उसके परिवार के साथ रहते थे। उन्होंने बताया कि कपूर को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद फॉरेंसिक और क्राइम टीमों को बुलाया गया, जिन्होंने मौके से सबूत इकट्ठा किए।

बता दें कि कपूर को साल 2015 में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने 9 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया था। उन पर धोखाधड़ी के दो अलग-अलग मामलों में एफआईआर दर्ज की गई थी। जनवरी 2020 में उनकी भाभी नताशा कपूर ने भी इसी घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की थी।

गोगामेड़ी जा रहे 8 श्रद्धालुओं की मौत

नरवाना(ईएमएस)। हरियाणा के जींद में हिसार-चंडीगढ़ हाईवे पर बिधराना गांव के पास सोमवार-मंगलवार रात ट्रक ने आगे चल रहे टाटा मैजिक को टक्कर मार दी। जिससे मैजिक सडक़ किनारे गड्ढों में जाकर पलट गया। हादसे में टाटा मैजिक सवार 2 महिलाओं और बच्चे समेत 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। करीब 10 लोग घायल हैं। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक कुरुक्षेत्र के मर्चहेड़ी गांव के रहने वाले कुछ लोग सोमवार शाम को टाटा मैजिक में सवार होकर राजस्थान के गोगामेड़ी धाम पर धोक मारने जा रहे थे। रात करीब साढ़े 12 बजे वह बिधराना गांव के पास पहुंचे तो पीछे से तेज रफ्तार ट्रक आया। उन्होंने मैजिक को टक्कर मार दी। जिससे मैजिक अनबैलेंस होकर सडक़ किनारे गड्ढों में पलट गया।

क्या कर्नाटक में जाएगी सिद्धारमैया की सीएम कुर्सी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्नाटक में क्या मुख्यमंत्री को बदला जाएगा, यह ऐसा सवाल है जो कांग्रेस सरकार के गठन के साथ ही कर्नाटक के सियासी गलियारों में चर्चाओं में है। एक बार फिर से इस सवाल पर खूब चर्चा हो रही है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को लेकर विपक्ष कई बड़े और गंभीर आरोप लगा रहा है। इस सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि वह पार्टी आलाकमान और विधायकों के फैसले का पालन करुंगा। सीएम ने अपने गृहनगर मैसूरु में यह बात कही।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता आरवी देशपांडे के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त देकर कहा कि मुख्यमंत्री कैसे बनेगा? इस संबंध में पार्टी विधायक और आलाकमान को फैसला करना हैं, वे जो भी निर्णय लेते हैं, उसका पालन करुंगा। जब मीडिया ने उनसे सवाल किया कि इतने लंबे समय के बाद वह कैसे तरोताजा दिख रहे हैं, जबकि बीजेपी दावा कर रही थी कि वह मुद्रा मामले के मद्देनजर सुस्त दिख रहे हैं, तब सिद्धारमैया ने हंसते हुए कहा, विपक्ष ने इस मामले में झूठ बोला है। अगर उनका झूठ साबित नहीं हुआ है, यह उनके लिए मुश्किल होने वाला है। मैंने झूठ नहीं बोला है, न ही गलत बयान जारी किया है और न ही कोई गलती की है। कांग्रेस सरकार द्वारा न्यायिक आयोग की कोविड पर एक रिपोर्ट को कथित तौर पर बीजेपी के खिलाफ इस्तेमाल करने के सवाल पर सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि इस संबंध में सरकार को सौंपी गई रिपोर्ट गुरुवार को कैबिनेट के सामने रखी जाएगी। भाजपा सांसद और राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के. सुधाकर ने दावा किया है कि इस रिपोर्ट का इस्तेमाल कांग्रेस द्वारा राजनीतिक हथियार के रूप में किया जा रहा है।

कर्नाटक सरकार ने डेंगू बुखार को घोषित किया महामारी

- इस साल दर्ज किए गए 7000 से ज्यादा मामले

बंगलूरू(ईएमएस)। कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को राज्य में डेंगू बुखार को महामारी के रूप में अधिसूचित किया है। इसमें इसके सभी स्वरूप शामिल हैं। इसके अलावा, कर्नाटक महामारी रोग विनियम 2020 में संशोधन के लिए नियम बनाए गए हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक इस साल जनवरी से जुलाई तक डेंगू के 7362 मामले दर्ज किए गए हैं। डेंगू से निपटने के लिए कार्य योजना का एलान करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, इस साल अब तक 7,362 डेंगू के मामले दर्ज किए गए हैं। अब तक सात लोगों की मौत हुई है। डेंगू के मरीजों को भर्ती करने के लिए अस्पताल के प्रत्येक वार्ड में दस बेड रखने को कहा गया है। झुग्गी झोपडियों में रहने वाले लोगों को मच्छरदानियां प्रदान की जाएंगी।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि सरकार स्थिति की निगरानी कर रही है और सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं। हमने सभी विभागों को डेंगू के स्त्रोतों को कम करने का सख्त निर्देश दिया है। हमने आशा कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों को घर-घर जाने के लिए कहा है। सरकार पूरे समय काम कर रही है। हमारा मकसद मच्छरों के प्रसार को रोकना है और इससे होने वाली मौतों को रोकना है।

जन हितैषी

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीमकोर्ट का ढीला-ढाला रवैया

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देश भर में बुलडोजर के माध्यम से आरोपियों की संपत्ति को बिना किसी सुनवाई के नष्ट किए जाने पर सुनवाई शुरू कर दी है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश विश्वनाथन और न्यायाधीश बी आर गवई की खंडपीठ ने सुनवाई करते हुए बुलडोजर एक्शन पर नाराजगी जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा अगर कोई आरोपी दोषी भी पाया जाता है। उसके बाद भी उसका घर नहीं गिराया जा सकता है। उसके अपराध के लिए जो सजा कानून में निर्धारित है, वही सजा उसे दी जा सकती है। आरोपी के अपराध की सजा उसके बच्चों या परिवार जनों को कैसे दी जा सकती है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता का, यह कहना कि कानून का उल्लंघन होने पर अवैध निर्माण को गिराया गया है। तुषार मेहता का कहना था, जब निर्माण कार्यों में कानून का उल्लंघन हुआ है, तभी बुलडोजर की कार्रवाई की गई है। उन्होंने यह कहते हुए बुलडोजर एक्शन का बचाव किया। अनधिकृत निर्माण को हटाया गया है। जो कानून संवत है, अवैध निर्माण हटाने से किसी अपराधी को अपराध की सजा नहीं दी गई है। अपराध के मामले में आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। न्यायालय द्वारा उसे सजा दी जाएगी, वह अपराधी पर लागू होगी। यह कहकर उन्होंने बुलडोजर एक्शन का बचाव किया। इस सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट का यह कहना, वह अवैध निर्माण के संरक्षण के पक्षधर नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट बुलडोजर से अवैध निर्माण को हटाने के लिए देश में एक तरह के दिशा-निर्देश देने पर विचार कर रहे हैं। अब इस मामले की सुनवाई 17 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में होगी। उत्तर प्रदेश में कई वर्षों से बुलडोजर एक्शन हो रहा है। उत्तर प्रदेश में अपराधियों पर नकेल कसने के लिए बुलडोजर से न्याय करने की बात खुद मुख्यमंत्री कई बार सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं। उत्तर प्रदेश में किसी भी तरह का अपराध एक विशेष समुदाय के व्यक्ति द्वारा किए जाने पर तत्काल जिला प्रशासन के अधिकारी आरोपी की संपत्ति को अवैध निर्माण बताकर तोड़ देते हैं। इस कार्यवाही से एक समुदाय विशेष के लोगों में आतंक फैलाने की कार्रवाई उत्तर प्रदेश से शुरू हुई थी। अब यह भाजपा शासित राज्यों से होते हुए अन्य राज्यों में पहुंचने लगी है। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की ओर से यह कहा जा रहा है। अवैध निर्माण होने के कारण जिला प्रशासन द्वारा बुलडोजर से अतिक्रमण हटाने की जो कार्यवाही की है, वह न्याय संगत है। जिस तरह की कार्रवाई की जा रही है, यह न्याय पालिका के संज्ञान में भी है। मीडिया में भी बुलडोजर के माध्यम से सरकार द्वारा तत्काल न्याय करने की बात कही जा रही है। यह भी न्यायपालिका के संज्ञान में है। उसके बाद भी यदि उस राज्य की हाईकोर्ट और देश की सुप्रीम कोर्ट मौन धारण करके रखती है। याचिका दायर होने के बाद भी कई महीनों तक उस पर सुनवाई नहीं होती है। उसके बाद यही कहा जा सकता है, नियम और कानून सरकारों एवं प्रशासकीय अधिकारियों पर नहीं होते हैं। नियम कायदे कानून केवल आम जनता के लिए हैं। सरकार जो भी काम करती है। वह नियम से ही करती है। ऐसी स्थिति में भविष्य में न्याय पालिका की जरूरत भी नहीं होगी। यह बात अभी दबे छुपे तरीके से कही जा रही है। जिस तरह से न्यायपालिका का संरक्षण केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को मिल रहा है। उसके बाद आम आदमी को न्याय मिलेगा, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भीड़ तंत्र द्वारा जिस तरह से तत्काल न्याय किया जा रहा है। सरकारों और न्यायपालिका की चुप्पी के हजारों मामले देखने को मिल रहे हैं। न्यायपालिका की एक तरह से मोन सहमति माना जा सकता है। भारतीय न्यायपालिका का नया रूप है। पिछले 70 वर्षों में भारतीय न्यायपालिका ने स्वयं संज्ञान लेकर इस तरह के मामलों में नागरिकों के मौलिक अधिकार समय-समय पर संरक्षित किए थे। आपातकाल को मानव अधिकारों के हनन का सबसे बड़ा उदाहरण है। इसका विरोध पिछले 50 वर्षों से किया जा रहा है। आपातकाल कुछ महीनों के लिए विशेष प्रावधान के तहत लगाया गया था। संसद ने इसकी स्वीकृति दी थी। समय के साथ आपातकाल के प्रावधान भी समाप्त हो गये। अघोषित आपातकाल के इस दौर में न्यायपालिका की चुप्पी लोगों को आश्चर्य चकित कर रही है। ऐसे ही न्यायपालिका सरकार के दबाव में रही, सरकार की इच्छा और अनिच्छा को ध्यान में रखकर न्याय देने का काम न्यायपालिका करेगी, तो नागरिकों का न्यायपालिका और भारतीय संविधान से मोह भंग होना तय है। पिछले वर्षों में जिस तरह से जिला प्रशासन द्वारा अवैध अतिक्रमण के नाम से एक समुदाय विशेष के लोगों के घरों को तोड़ा जा रहा है। उनकी संपत्ति को नष्ट किया जा रहा है। यह सब भय, दहशत और आतंक का वातावरण बनाने के लिए किया जा रहा है। सार्वजनिक रूप से किया जा रहा है। उसके बाद भी यदि न्यायपालिका चुप रहती है, तो यही माना जा सकता है कि कानून के नाम पर सरकार और प्रशासन आम नागरिकों के मौलिक अधिकारों को समाप्त कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई शुरू कर दी है। जिस तरह से सुनवाई हो रही है, उसमें सरकार और प्रशासन के जिन लोगों द्वारा इस तरह की अवैध कार्रवाई की गई है। उसको लेकर सुप्रीम कोर्ट का रवैया सख्त रहेगा। जिन अधिकारियों ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया है। बुलडोजर एक्शन पर जिन अधिकारियों ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया है। यदि उन्हें व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराकर दंडित किया जाएगा। तभी लोगों का प्रशासनिक और प्रशासकीय अधिकारियों के ऊपर विश्वास बढ़ेगा। सरकार और प्रशासकीय अधिकारी न्यायपालिका और आम नागरिकों के अधिकार, बुलडोजर संस्कृति और तत्काल न्याय के नाम पर छीनने की कोशिश कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट यदि कठोर कार्यवाही के निर्देश देता है, तभी इस तरह की कार्रवाई पर रोक लग सकती है।

भागवत कथा- संघ की सक्रियता बढ़ने के मायने..?

भारत की आजादी के बाद से अब तक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ कई विवादस्पद दौरों से गुजरा है, जिसके तहत् इस संगठन को प्रतिबंधात्मक दायरे से भी गुजरना पड़ा है। खैर, वह सब कांग्रेसी शासन कालों के दौरान हुआ, किंतु आज जबकि पिछले एक दशक से केन्द्र में संघ समर्थक भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, तो संघ का दबी जुबान आरोप है कि संघ को सताने की स्पद्र्धा में मोदी सरकार ने कांग्रेस को भी पीछे छोड़ दिया है और इस त्रासदी का मुख्य आधार प्रधानमंत्री व उनकी अपनी टोली द्वारा संघ की उपेक्षा है, अपनी इस त्रासदी का जिक्र करने के लिए केरल में संघ ने अपनी तीन दिवसीय समन्वय बैठक बुलाई जिसमें सभी उपस्थिततों को संघ प्रमुख की बातों पर गौर कर निर्णय लेने की अपेक्षा की गई थी, लेकिन भाजपा संगठन के प्रमुख जगत प्रकाश नड्डा ने अचानक वहां पहुंच कर, ''मीडिया मैनेंज'' कर अपनी आवाज को बुलंदगी के साथ पेश किया और बैचारे संघ प्रमुख की आवाज के साथ उनके प्रयासों पर पानी फैर दिया।

संघ की पिछले कुछ दिनों की भूमिका को देखकर प्रधानमंत्री व उनके सहयोगी सतर्क हो गए थे और उन्होंने इसी रणनीति के तहत् भाजपाध्यक्ष को संघ की केरल बैठक में भेजकर यह सब किया। वर्ना संघ के इस सम्मेलन के पहले दिन जो संघ प्रमुख ने तेवर दिखाए थे, वे ही तेवर यदि तीनों दिन पूरे सम्मेलन में जारी रहते तो वह भाजपा सत्ता व संगठन के लिए ठीक संकेत नही होते, इसीलिए मीडिया को मैनेज कर भाजपा प्रमुख की बात को जोर-शोर से उठाया गया और संघ प्रमुख की बातों को दबा दिया गया।

देश में अब तक कायम हुई भाजपा या पूर्व जनता पार्टी की सरकारों में यह पहली बार हो रहा है, जब संघ अपने आपको उपेक्षित महसूस कर रहा है, इससे पूर्व अटल जी के प्रधानमंत्रित्व काल में भी अटल-अड़वानी ने संघ को प्रमुख माना था तथा ये नेता समय-समय पर संघ पदाधिकारियों से सलाह-मशवरा करते रहते थे, किंतु अब संघ को शायद भाजपा सरकार के चलते पहली बार उपेक्षा के दौर से गुजरना पड़ रहा है। इसीलिए अब वह जमाना लद गया, जब सत्ता प्रमुख संगठन प्रमुख से मिलने या मशवरे के लिए जाया करता था, आज तो स्थिति यह है कि संघ प्रमुख प्रधानमंत्री से भेंट का समय मांगते है और वह भी कई दिनों तक नही मिल पाता, इसीलिए अब संघ ने भी दबी जुबान मोदी व उनकी सरकार पर सख्त टिप्पणियां शुरू कर दी है। संघ ही नही अब तो भाजपा के वरिष्ठ नेता भी दबी जुबान यह कहने में कोताही नही बरतते कि मोदी जी अब बहुत बदल गए है, अब वे 2014 वाले मोदी जी नही रहे और इसी मसले को लेकर सत्तारूढ़ दल व उसके जनक संगठन (संघ) में अच्छी-खासी चर्चा है, जो मोदी जी के चौथे कार्यकाल के लिए शुभ नही मानी जा रही, संघ-भाजपा तथा उसके संगी-साथी मोदी जी के उन तैवरों को ''तानाशाही की झलक'' बता रहे है, यह स्थिति भाजपा में सिर्फ केन्द्र तक ही सीमित नही है, बल्कि भाजपा शासित राज्यों के सत्ता संगठनों में भी इसकी झलक देखने को मिल रही है। इस स्थिति को लेकर भाजपा के हितचिंतकों व सहयोगियों में भी अच्छी खासी चिंता है व इस स्थिति में भविष्य को लेकर बैचेनी है।

इस प्रकार भाजपाध्यक्ष ने संघ के केरल सम्मेलन में पहुंच कर चाहे संघ का गुस्सा शांत करने का प्रयास किया हो, किंतु अब जब यह गुस्सा देश के जिलों व तहसील स्तर तक पहुंचने की तैयारी कर रहा है, तब नड्डा जी कहां-कहां अपनी सफाई पेश करने जायेगें? (लेखक-ओमप्रकाश मेहता/ ईएमएस)

वर्षा जल को बर्बाद होने से बचाएं

मानसून का महीना हर किसी को आत्मिक आनंद से सराबोर करने वाला होता है इस समय नील व्योम काली घटाओं के केन्द से बंद मेघो के माध्यम से वसुधा को अपनी असमी स्वर्णिम जलबूंदो से तरबतर करने को उत्साहित व आतुर दिखाई पड़ता है। शीतलता भरी छुअन घुल जाने से प्राणी जगत को भीषण गर्मी से राहत मिलने लगती है।

भले शहर में मिटटी के लोग बारिश में भीग जाने से कतराते हो, लेकिन गांव में तो आज भी बारिश को एक उत्सव व त्योहार के रूप में मनाने व बिंदास होकर खूब भीग जाने की परम्परा जीवित है। यहां तो बारिश के आगाज के साथ ही नग्गे बदन बच्चो की टोलियां में धमा चौकड़ी मचाती हुई देखी जा सकती है। हम मानसून की मस्ती में इतने भी मशगूल नही हो जाए कि वर्षा जल संचयन को ही भूल जाऐ। हाल के वर्षो मे वर्षा जल संचयन को लेकर व्यक्तिगत प्रयासो में कमी आई है। पहले गांवो में वर्षा जल संचयन परंपरा का एक अभिन्न अंग हुआ करता था। दुनिया के सर्वाधिक बारिश होने वाले क्षेत्रो में भारत भी है, यहां हर वर्ष बर्फ पिघलने ओर वर्षा जल के रूप में औसतन 4000 अरब घनमीटर पानी प्राप्त होता है, जबकि यह देश वर्षा जल का 1869 अरब घनमीटर (मतलब सिर्फ 46 प्रतिशत) पानी का उपयोग कर पाता है, बाकी 54 प्रतिशत पानी व्यर्थ में बहकर नदी-नालो के द्वारा समुद्र में चला जाता है। मणिपुर से भी छोटे इजराइल जैसे देशो में जहां वर्षा का औसत 25 से.मी. से भी कम है, वहां भी जीवन चल रहा है।

वहां जल प्रबंधन तकनीक अति विकसित होकर जल की कमी का आभास नही होने देती, अपितु कृषि से कई बहूमूल्य उत्पादो का निर्यात करके विदेशी मुद्रा अर्जित कर रहा है। बारिश के पानी का विभिन्न स्त्रोतो व प्रकल्पों व सुरक्षित व संग्रहित रखना व करना वर्षा जल संचयन कहलाता है। वर्षा जल संचयन वर्षा जल के भंडारण को संदर्भित करता है, ताकि जरूरत पड़ने पर बाद में इसका उपयोग किया जा सके। इस तरह व्यपाक जलराशि को एकत्रित करके पानी की किल्लत को कम किया जा सकता है।

भारत में पेयजल संकट एक प्रमुख समस्या है। भूमिगत जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा ह और इस वजह से पीने के पानी की किल्लत बढ रही है सिकुडती हरित पटटी इसका मुख्य कारण है। पेड़ों से जहां पर्याप्त मात्रा में वर्षा हासिल होती है वही यही पेड़ भूमिगत जल का स्तर बनाये रखने में भी अहम् भूमिका निभाते है। लेकिन दुत गति से होने वाले विकास कार्यो ने हमारी हरित पटटी की तेजी से बलि ली है उसी का नतीजा है कि न सिर्फ भूमिगत जल का स्तर नीचे गया है, बल्कि वर्षा में भी लगातर कमी आई है। गौरतलब है कि भारत में दो सौ साल पहले लगभग 21 लाख सात हजार तालाब थे। साथ ही लाखो कुंऐ, बावड़ियां झीलें पोखर और झरने भी हमारे देश की गोदी में हजारो नदियां खेलती थी, किन्तु आज से नदिया हजारो में से केवल सैकड़ो में ही बची है। ये सब नदिया कहां गई कोई नही बता सकता है।

जिस भारत में 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा हो यहां आज स्वच्छ जल का उपलब्ध न हो पाना विकट समस्या है। आज देश में करीब 60 करोड़ लोग पानी की गंभीर किल्लत का सामना कर रहे है। करीब दो लाख लोग स्वच्छ पानी न मिलने के चलते हर साल जान गंवा देते है। नीति आयोग द्वारा जारी समग्र जल प्रबंन्धन सूचकांक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। जिसमें कहा गया है सन 2030 तक देश में पानी की मांग उपलब्ध जल वितरण की दोगुनी हो जायेगी। जिसका मतलब है कि करोड़ों लोगो के लिए पानी का गंभीर संकट पैदा हो जायेगा और देश की जीडीपी में छह प्रतिशत की कमी देखी जायेगी। वर्षा जल संचयन के लिए वर्तमान में कई वैज्ञानिक व परंपरागत विधिया प्रयोग में लायी जा रही है। यहां कुछ ऐसी ही विधियों व प्रणाली का उल्लेख किया जा रहा है, जो वर्षा जल संग्रह में सहायता कर सकती है।

यह वर्षा जल संग्रहण की सबसे उत्तम व आसान विधि है। इस विधि से संचित पानी को किसी अन्य माध्यम से स्वच्छ किये बिना ही इसका मानवहित में उपयोग किया जा सकता है। बांध परियोजनाओं का सफल निर्माण बारिश के जल को संग्रहित करने में काफी कारगर सबित हो सकता है। बांध जैसे प्रकल्पों में जलराशि को लंबे समय तक बांधकर इसका उपयोग नहरों के माध्यम से सिंचाई के प्रयोजनों के लिए किया जा सकता है। अगर अब भी हम सचेत नही हुए तो दक्षिण अफ्रीकी शहर केपटाउन की तरह भारत को भी पानी सपने में ही देखने को नसीब होगा हालाकि पूरे विश्व में धरती का लगभग तीन चौथाई भाग जल से घिरा हुआ है, किन्तु इसमें से 97 प्रतिशत पानी खारा है जो पीने योग्य नही है, पीने योग्य पानी की मात्रा सिर्फ 3 प्रतिशत है। इसमें भी 2 प्रतिशत पानी ग्लेशियर एवं बर्फ के रूप में है। इस प्रकार सही मायने में मात्र 1 प्रतिशत पानी ही मानव के उपयोग हेतु उपलब्ध है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक मानव का दायित्व बनता है कि वो अपने हिस्सा का पानी पहले से ही संग्रहित करके रखे। राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों और गुजरात के कुछ इलाको ने पारंपरिक रूप से घर के अन्दर भूमिगत टैंक बनाकर जल संग्रह करने का प्रचलन है, इस परम्परा को अन्य राज्यों में लागू कर हम इस गंभीरता को कम कर सकते है। कठोर कानून के द्वारा नदियों में छोडे जाने वाले अपशिष्ट पर लगाम लगाकर जल प्रदूषण को रोका जा सकता है और वर्षा चक्र को बाधित होने से बचाया जा सकता है। (लेखक- विष्णु अग्रवाल / ईएमएस)(स्वतंत्र पत्रकार)

ऐसा ना हो इधर मूंछ पर ताव दें, उधर अकाउंट से पैसा डेबिट हो जाए...

(कहो तो कह दूं)

आजकल पता नहीं कौन-कौन सी नई-नई चीजें दुनिया में आ रही हैं। एक खबर पता लगी है कि निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक ने स्माइल पे नाम का एक फेशियल पेमेंट सिस्टम लागू किया है इसमें ग्राहक को ना तो कैश की जरूरत है, ना कार्ड की, ना मोबाइल की । वह सिर्फ मुस्कुराएगा और पेमेंट हो जाएगा अब आप ही बताओ कि दुनिया में ऐसा कौन सा इंसान होगा जिसकी जेब से नोट जा रहे हो और वो मुस्कुराए, अपने ख्याल से तो ऐसा इंसान मिलना कठिन ही नहीं बल्कि नामुमकिन है , क्योंकि पैसा जब आता है तब इंसान मुस्कुराता है लेकिन जब पैसा जेब से निकलता है तो मुस्कुराहट ऐसी गायब होती है जैसे गधे के सर से सींग।और सही बात भी तो है भले ही कार्ड की जरूरत ना पड़ रही हो, मोबाइल की आवश्यकता ना हो, लेकिन माल तो अपने अकाउंट से ही डेबिट हो रहा है ना, अब जब अकाउंट से पैसा डेबिट हो रहा हो तो मुस्कुराने की इसमें बात कौन सी है इसमें एक पंगा और भी है कई लोगों का चेहरा ऐसा होता है कि वे लाख मुस्कुराने की कोशिश करलें लेकिन उनके चेहरे का तनाव कम नहीं होता ऐसी स्थिति में भले ही वे कितना ही मुस्कुराने की कोशिश करेंगे लेकिन क्यू आर कोड उनकी मुस्कुराहट को पकड़ नहीं पाएगा और जब तक मुस्कुराहट को पकड़ नहीं पाएगा तब तक पेमेंट होगा नहीं। कई ऐसे भी होते हैं कि उनका चेहरा हमेशा ऐसा लगता है जैसे वे मुस्कुरा रहे हों ऐसे में गलती से भी अगर वे क्यू आर कोड के सामने से निकल गए तो बिना वजह उनके अकाउंट से पैसे कट जाएंगे । फेडरल बैंक वालों को भी पता नहीं क्या सूझा जो ये नई स्कीम उन्होंने अपने बैंक में लागू कर दी । अपने को तो डर है कि फेडरल बैंक की देखा देखी दूसरे बैंक भी इससे मिलती जुलती स्कीम लागू न कर दें इन्होंने मुस्कुराहट की बात की है हो सकता है कोई दूसरा बैंक गुस्से वाला चेहरा देखकर पेमेंट काटने लगे, कोई तीसरा बैंक ये स्कीम निकाल दे कि क्यू आर कोड के सामने जो आंख मारेगा उसका पेमेंट हो जाएगा, ना कहो कोई चौथा बैंक ये स्कीम निकाल दे कि जैसे ही आप अपनी मूंछों पर ताव दोगे आपके अकाउंट से पैसा डेबिट हो जाएगा । कोई भोंह मटकाने पर पेमेंट कर देगा तो कोई जीभ निकाल कर चिढ़ाने पर पेमेंट की रसीद दे देगा। अपनी तो फेडरल बैंक वालों से एक ही विनती है कि भैया ऐसी उटपटांग स्कीमें मत चालू करो वरना लोग बाग मुस्कुराना भूल जाएंगे क्योंकि इधर वे मुस्कुराए और उधर उनके खाते से पैसा डेबिट हुआ । वैसे भी आजकल लोगों का मुस्कुराना कम से कम हो गया है कितनी टेंशन है जिंदगी में । घर का टेंशन, आफिस का टेंशन , महंगाई का टेंशन, बेरोजगारी का टेंशन ,सड़कों पर जाम का टेंशन, बेटी के ब्याह का टेंशन, अब जब चौतरफा टेंशन ही टेंशन हो तो आदमी मुस्कुराए कहां से यह भी तो एक सवाल है ।

चूहे मारने बिल्ली का सहारा

अपने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की संसद में कई फाइलें चूहों ने कतर डालीं , तमाम कोशिशें के बाद भी जब चूहों पर कंट्रोल नहीं हुआ तब सरकार ने बारह लाख रुपए की लागत से शिकारी बिल्लियां खरीदी हैं जो इन चूहों को अलसेठ देंगी। पाकिस्तान सरकार को यह बताना जरूरी है कि चूहों का आज तक कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाया ,अपने भारत में ही हजारों क्विंटल अनाज चूहे खा जाते हैं दुनिया भर की दवाइयां डाली जाती है लेकिन चूहों पर उनका कोई असर नहीं होता ऐसा लगता है ये चूहे अमरौती खाकर आ आए हुए हैं वैसे ही तो पाकिस्तान में भुखमरी का आलम है उस पर बारह लाख रुपए की लागत से बिल्लियां खरीदना पड़ रही है आजकल के चूहे वैसे भी बिल्लियों को झटका देने में बहुत एक्सपर्ट हो गए हैं । वो जमाना चला गया जब चूहे बिल्लियों के चक्कर में फंसकर अपनी जान दे देते थे । देखना होगा कि ये शिकारी बिल्लियां कितने चूहों को हजम कर पाती हैं वैसे एक बात ये भी है की हो सकता है विरोधी पक्ष के नेताओं ने फाइलें गायब कर दी हों और नाम चूहों का लगा दिया हो क्योंकि पाकिस्तान में सब कुछ संभव है।

इन्हें वेतन की जरूरत क्या है

हिमाचल सरकार ने अपनी डांवाडोल होती आर्थिक स्थिति को देखते हुए ये तय किया है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री, मंत्री ,संसदीय सचिव, कैबिनेट दर्जा प्राप्त आठ सलाहकारों व सार्वजनिक उपक्रमों के अध्यक्ष उपाध्यक्ष आगामी दो महीने तक वेतन नहीं लेंगे ,मुख्यमंत्री का मानना है कि इससे प्रदेश की आर्थिक स्थिति में थोड़ा बहुत सुधार होगा और जब स्थिति सुधर जाएगी तो दो महीने का जो बकाया वेतन है उन्हें दे दिया जाएगा। अपना मानना तो ये है कि चाहे मुख्यमंत्री हो चाहे मंत्री इन्हें वेतन की जरूरत ही क्या है? ऐसी कौन सी फेसिलिटी है जो उन्हें मुफ्त में अवेलेबल नहीं है, सरकारी बड़ा भारी बंगला है, सरकारी गाड़ी है, सरकारी पेट्रोल है, सरकारी दफ्तर है, सरकारी नौकर चाकर हैं, सब कुछ तो सरकारी है और वो भी सब फ्री मे। और जब सब कुछ फ्री में अवेलेबल है तो वेतन मिले ना मिले क्या फर्क पड़ने वाला है और फिर ये सारी चीजें तो एक नंबर में हैं दो नंबर में क्या-क्या मिलता है ये तो बच्चा-बच्चा जानता है । किसको ठेका देना है, किसका पेमेंट करना है, किसका नहीं करना है, किससे कितना कमीशन मिलना है ये सब तो आम बात है आजकल । वरना अगर सिर्फ वेतन ही के भरोसे होते नेता लोग तो मात्र पांच साल में इन नेताओं की संपत्ति पांच सौ गुना कैसे बढ़ जाती, खैर अब सरकार को समझ में आ रहा है कि वोटो के चक्कर में जो मुफ्त की घोषणाएं सरकारें कर रही हैं उसका हश्र क्या होने वाला है । अभी तो ये हिमाचल में हुआ है बहुत जल्दी अपने प्रदेश में भी यही स्थिति बनने वाली है क्योंकि जिस तरह से मुफ्त में सरकारी पैसा लुटाया जा रहा है उसकी भरपाई कहां से होगी। कितना ही गहरा कुआं क्यों ना हो लेकिन सिर्फ पानी उलीचते रहोगे तो एक न एक दिन तो वो भी खाली हो जाएगा। सरकारों को अब यह समझना होगा लेकिन अपने को मालूम है कि वोटो का चक्कर है और फिर कौन सा अपनी जेब से पैसा देना है सरकारी माल है लुटाते चलो जब खजाना खाली हो जाएगा तो आम जनता पर टैक्स का बोझ लाद देंगे जो हमेशा से होता आया है।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

श्रीमती जी को को उदास देखकर श्रीमान जी ने पूछा -

तुम इतनी उदास क्यों लग रही हो,
गुमसुम बैठी हो, क्या सोच रही हो...?

ऐसी कोई बात नहीं है,बस कुछ दिनों से मुझे ये चिंता सता रही है कि आखिर क्या कसर रह गई है मेरी कोशिशों में, जो शादी के इतने सालों बाद भी तुम मुस्कुरा लेते हो...!श्रीमती जी ने उत्तर दिया। (लेखक-चैतन्य भट्ट/ ईएमएस)

देश की आजादी में भारतवासियों का त्याग

कितने लोगों के त्याग बलिदान के पश्चात यह उपहार भारतवासियों को मिला। परंतु इस उपहार के साथ-साथ देश के विभाजन का दृश्य भी झेलना पड़ा। क्रिप्स कमीशन के आजादी घोषणा के पश्चात ही मुस्लिम लीग ने एक अलग राष्ट्र पाकिस्तान की मांग रखी। बंगाल, हैदराबाद, केरल में दंगों को देखते हुए कांग्रेस ने घोषणा की कि भारत गणराज्य के बंटवारे में ही इसका हित है। हालांकि कई कांग्रेसी नेता इसके विरोध में थे। उन्हें पता था कि इस निर्णय का परिणाम अत्यंत वीभत्स होगा परंतु नियति के आगे किसकी चली है। अंग्रेजी हुकूमत ने तय किया कि भारत एवं पाकिस्तान दो देश बनाए जाएंगे तथा जो रियासत जिसमें विलय होना चाहते हैं, वे उसमें विलय हो सकते हैं। मुस्लिम बहुल रियासतों को पाकिस्तान तथा हिंदू बहुल रियासतों को भारत में रखने का निर्णय लिया गया। इस घोषणा के होते ही लोगों में होड़ लग गई अपने राष्ट्र की तरफ जाने की। सिंध, पंजाब, कराची में स्थित हिंदू, सिख भारत आना चाहते थे वहीं मध्य भारत, बंगाल, हैदराबाद, बिहार तथा देश के अन्य हिस्से के मुसलमान पाकिस्तान जाना चाहते थे। रेलवे स्टेशन पर लोगों की भीड़ इकट्ठा होने लगी। देश स्थानांतरण की दिशा में कई जगहों पर धार्मिक उन्माद भी उत्पन्न हो गया जिससे देश के कई स्थानों पर दंगे भड़क गए। एक आंकड़े के अनुसार 72,26,000 लोगों ने पाकिस्तान से भारत की ओर पलायन किया जिसमें ज्यादातर हिंदू तथा सिख परिवार थे कई जगहों पर यह भी वर्णन है कि पाकिस्तान से आ रही सारी ट्रेनों के मुसाफिरों को मार दिया जाता था और केवल उनकी लाश ही ट्रेन में आती थी। यह दृश्य अत्यंत भयावह था। न जाने कितने बच्चे अनाथ हो गए, कितने परिवार बिखर गए। जनगणना के आंकड़े यह भी बताते हैं कि आजादी के पश्चात पाकिस्तान में हिंदू तथा सिख समुदाय की संख्या कुल आबादी की जनसंख्या की 22% थी जो आज घटकर 1.6 प्रतिशत हो गई है। वहीं दूसरी तरफ भारत में मुसलमानों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। आजादी की घोषणा होने के पश्चात जो हिंदू तथा सिख सिंध प्रांत में वर्षो से रह रहे थे, वे एकाएक बेघर हो गए। भुखमरी तथा धर्म के आधार पर लोगों ने एक दूसरे की जान लेना शुरू कर दिया। यह घटना महीनों तक चली लेकिन सरदार पटेल के अथक प्रयासों के बाद इसे समाप्त कर दिया गया। कश्मीर पर पाकिस्तान के हमले के समय भी यही दृश्य देखने को मिला था। लेकिन हिंद के जवानों ने पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाया तथा कश्मीर का विलय भारत में हो गया। मां भारती के सपूतों ने हर बार सिद्ध किया है कि देश के दामन पर जब-जब मुसीबतें आएंगी, वे तैयार हैं अपने भारत की रक्षा के लिए। वे न केवल भारत की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं, वरन अखंड भारत के लिए भी दृढ़संकल्पवान हैं। सारांशः विभाजन एक दुखदायी स्थिति है, चाहे वह परिवार का हो या देश का। इससे देश का विकास तथा संस्कृति का क्षय होता है। (लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

आज का इतिहास 04 सितम्बर

1665 मुगलों और शिवाजी में पुरंधर की संधि हुई थी.

1825 दादा भाई नौरोजी का जन्म.

1887 गांधीजी कानून की शिक्षा लेने ब्रिटेन गए.

1932 फ्रांस और पोलैंड के बीच आपसी सहायता समझौता हुआ.

1959 लाओस में आपातस्थिति की घोषणा हुई.

1964 ब्रिटिश राष्ट्रकुल की फौजों ने मलाया में इंडोनेशियाई छापामारों के खिलाफ कार्यवाही शुरु की.

1975 मिस्त्र और इजरायल के प्रतिनिधियों ने जेनेवा में अंतरिम शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए.

1987 ईरान ने इराक से युद्ध समाप्त करने के लिए राष्ट्र संघ की योजना लागू करने पर सहमति व्यक्ति की.

1990 अमरीकी राष्ट्रपति ने कांग्रेस से मिस्त्र का सात अरब डॉलर का ऋण माफ करने को कहा.

1997 लेखक धर्मवीर भारती का निधन.

2001 सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था देते हुए कहा कि सात फेरों के बिना विवाह वैध.

2005 छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों द्वारा किए गए विस्फोट में 24 सुरक्षाकर्मी मारे गए.

शब्द पहेली - 8118

बाएँ से दाएँ

1.रोशनी-3
4.आशा,उम्मीद-2
5.एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7.भ्रमण,घूमना-3
9.फिजूल,व्यर्थ ही-3
11.गुनाह,जुर्म-4
12.स्नान करवाना-4
14.डग,पांव,पैर-3
16.मक्खन(अंग्रेजी-3)
18.रावण,दशानन-5
19.टेलीफोन,दूरभाष-2
20.असली,शुद्ध-3

ऊपर से नीचे

1.वार,घात-3
2.आश्रय,पनाह-3
3.पायल की आवाज-4
4.दर्पण,शीशा-3
6.चिपकू,जलौका-2
8.स्वयं की पसंद का,स्वरुचिकर-2,3
10.हकलाना,अटक-अटक कर बोलना-5
13.पशु,जन्तु-4
14.मजार,मकबरा-2
15.कामदेव-3
16.बारिश,बरसात-3
17.धनवान,संपन्न-3

शब्द पहेली -8117 का हल

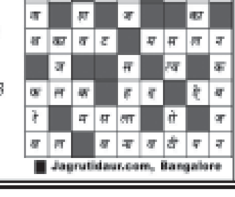

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में 6 विकेट से हराया, सीरीज 2-0 से जीती

रावलपिंडी (ईएमएस)। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में 6 विकेट से हराकर इतिहास रच दिया है। वहीं पहले टेस्ट में बांग्लादेश ने 10 विकेट से जीत हासिल की थी। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने 2-0 से सीरीज जीत ली है। ये पहली बार है जब बांग्लादेश ने पाकिस्तान में कोई सीरीज जीती है।

आज खेल के अंतिम दिन जीत के लिए मिले 185 रनों के लक्ष्य को बांग्लादेश ने चार विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। पाकिस्तान की टीम ने 5वें दिन शुरुआत में दो शुरुआती विकेट लेकर दबाव बनाने का प्रयास किया पर वह विफल रही। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और मोमिनुल हक ने शानदार बल्लेबाजी कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। लंच तक मेहमान टीम को जीत के लिए 63 रन चाहिए थे जो उसने आसानी से बना लिए। पाक पाकिस्तान ने दूसरे सत्र में दो विकेट लिए पर मुशफिकुर रहीम और शाकिब अल हसन ने उसे इसके बाद कोई अवसर नहीं दिया।

इससे पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद और नाहिद राणा ने पाक के 9 विकेट लिए। हसन ने 5 जबकि राणा ने 4 विकेट लिए। इससे पाक टीम दूसरी पारी में 172 रन ही बना पायी। उसके पहली पारी के आधार पर 12 रन की मामूली सी बढ़त मिली थी जिससे बांग्लादेश को जीत के लिए 185 रनों का लक्ष्य मिला।

पाक ने पहली पारी में भी केवल 274 रन बनाए थे जिसके जवाब में बांग्लादेश ने 262 रन बनाये थे।

वहीं बांग्लादेश की टीम ने पहली पारी में 26 रन पर 6 विकेट खोने के बाद लिटन दास के शतक से वापसी की। लिटन का मेहदी हसन मिराज ने भी अच्छा साथ दिया। इस प्रकार बांग्लादेश ने पहली पारी में 262 रन बनाये। लिटन दास ने 138 रन बनाए जबकि मिराज ने 78 रन की पारी खेली

बांग्लादेश के गेंदबाजों हसन महमूद और नाहिद राणा ने दूसरी पारी में भी पाक के 5 और 4 विकेट लेकर बल्लेबाजी ढ़हा दी।

अमेरिकी ओपन : स्वीयाटेक और पेगुला के बीच क्वार्टर फ़ाइनल मुकाबला

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। विश्व नंबर-1 खिलाड़ी पोलैंड की इगा स्वीयाटेक और अमेरिका की जेसिका पेगुला अमेरिकी ओपन टेनिस के महिला एकल के क्वार्टर फ़ाइनल में पहुंच गयी हैं। इगा ने राउंड ऑफ 16 में 16वीं वरीयता प्राप्त ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 6-4, 6-1 से हराकर क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बनायी। इसी के के साथ ही इगा ने अपना 100 वें मुकाबला जीता।

अब क्वार्टर फाइनल में स्वीयाटेक का सामना बुधवार को पेगुला से होगा। इससे पहले एक अन्य मुकाबले में पेगुला ने डायना श्नाइडर को 6-4, 6-2 से हराया था। क्वार्टर फाइनल में उनका रिकॉर्ड 0-7 है। स्वीयाटेक ने ही पेगुला को 2022 में अमेरिकी ओपन क्वार्टर फाइनल में हराया था।

वहीं एक मुकाबले में बीट्रिज़ हद्दाद माइया ने बड़ा उलटफेर करते हुए कैरोलिन वोज़्नियाकी को 6-2, 3-6, 6-3 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। माइया की जीत से 55 साल बाद कोई ब्राजीली खिलाड़ी महिला एकल क्वार्टरफाइनल में पहुंची है। इससे पहले साल 1968 में मारिया ब्यूनो क्वार्टरफाइनल में पहुंची थी।

पैरालम्पिक खेल:भाला फेंक में सुमित अंतिल ने स्वर्ण जीता

पेरिस (ईएमएस)। भारत के सुमित अंतिल ने पैरालम्पिक खेलों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। सुमित ने एफ64 वर्ग में रिकॉर्ड 70.59 मीटर भाला फेंका। इसी के साथ ही सुमित ने अपना 68.55 मीटर का पैरालंपिक रिकॉर्ड बेहतर बनाया है। सुमित ने इससे पहले टोक्यो में स्वर्ण जीता था। इस प्रकार वह लगातार दो स्वर्ण जीतने वाले खिलाड़ी बन गये हैं।

फाइनल में सुमित ने अपना पहला थ्रो 69.11 मीटर जबकि दूसरा थ्रो 70.59 मीटर व तीसरा थ्रो- 66.66 मीटर फैंका जबकि उनका चौथा थ्रो-फाउल रहा। वहीं पांचवां थ्रो- 69.04 मीटर वह छठवां थ्रो 66.57 मीटर का रहा।

इससे पहले निशानेबाज अवनि लेखरा और बैडमिंटन खिलाड़ी नीतेश कुमार ने यहां स्वर्ण पदक जीते हैं। इस प्रकार अब तक भारत ने कुल तीन स्वर्ण जीत लिए हैं। भारत अब पदक तालिका में 14वें नंबर पर पहुंच गया है। इनमें तीन स्वर्ण , 5 रजत और 6 कांस्य पदक शामिल हैं।

6सितंबर को अपना अंतिम मैच खेलेंगे सुआरेज

मोंटीवीडियो (ईएमएस)। उरुग्वे के स्टार फुटबॉलर लुई सुआरेज ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। 37 साल के सुआरेज पिछले 17 साल से अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खेल रहे हैं। उन्होंने उरुग्वे की ओर से सबसे अधिक कुल 69 गोल किये हैं। सुआरेज ने कहा कि 6 सितंबर को वह अपना अंतिम मैच खेलेंगे। सुआरेज ने उरुग्वे की ओर से 142 मैच खेलते हुए अब तक 69 गोल दागे हैं। सुआरेज ने उरुग्वे की ओर से साल 2007 में ही अपना पहला मैच खेला था। इसके बाद से ही जल्द ही वह उरुग्वे के मुख्य खिलाड़ी बन गए। दक्षिण अफ्रीका में 2010 फीफा विश्वकप में उरुग्वे की ओर से इस खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया था पर वह विवादों में भी रहे थे।

इस खिलाड़ी ने कहा कि मेरे लिए ये संन्यास लेने का सही समय क्या है। बढ़ती उम्र को देखते हुए मुझे पता चल गया है कि अब मेरे लिए अगला विश्वकप खेलना संभव नहीं है। मुझे संन्यास लेते हुए अच्छा लग रहा है हालांकि ये कठिन फैसला था। अब मेरा लक्ष्य अंतिम मैच में बेहतर प्रदर्शन रहेगा।

पेरालंपिक खेलों में भारत की नित्या ने कांस्य पदक जीता

पेरिस (ईएमएस)। भारत की पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी नित्या श्री ने पैरालंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता है। नित्या ने महिला एकल एसएच 6 श्रेणी के मुकाबले में इंडोनेशिया की रीना मार्लिना को 2-0 से हराकर ये पदक अपने नाम किया। इस मुकाबले में नित्या श्री ने इंडोनेशियाई खिलाड़ी को 21-14, 21-6 से हराया। नित्या ने रीना मार्लिना को 23 मिनट तक चले मुकाबले में पराजित किया। इस पदक के साथ ही बैडमिंटन स्पर्धा में भारतीय टीम के पदकों की तादाद पांच पहुंच गई है।

जीत के बाद उत्साहित नित्या ने कहा, 'मैं इस सफलता से बेहद उत्सहित हूं। यह मेरा सबसे अच्छा पल रहा। मैंने पहली बार इंडोनेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ जीत हासिल की है। साथ ही कहा कि उसे ये जीत खेल पर ध्यान देने और जुनून से खेलने के कारण मिली है।

गॉफ अमेरिकी ओपन से बाहर हुईं, नवारो अगले दौर में पहुंची

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। महिला टेनिस स्टार कोको गॉफ अमेरिकी ओपन में हार के साथ पन टेनिस से बाहर हो गयी हैं। अमेरिका की गॉफ को महिला एकल में एम्मा नवारो के हाथों 6-3, 4-6, 6-3 से हार का सामना करना पड़ा है।

वहीं एक अन्य मुकाबले में सर्बिया के नोवाक का सामना अब ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा। दिमित्रोव ने एक अन्य मुकाबले में एंड्री रुबलेव को 6-3, 7-6 (3), 1-6, 3-6, 6-3 से पराजित किया। टेलर फ्रिट्ज भी इस मैच में हार के साथ ही बाहर हो गये। उन्होंने तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता कैस्पर रूड को 3-6, 6-4, 6-3, 6-2 से पराजित किया।

फ्रिट्ज का मुकाबला अब क्वार्टरफाइनल में अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा, जिन्होंने एक अन्य मुकाबले में ब्रैंडन नकाशिमा को 3-6, 6-1, 6-2, 6-2 से हराया। वहीं महिला वर्ग में नवारो का अगला मुकाबला पाउला बडोसा से होगा, जिन्होंने वांग याफान के खिलाफ 6-1, 6-2 से जीत हासिल की। वहीं एक अन्य मुकाबले में आर्यना सबालेंका एलिस मर्टेंस को 6-2, 6-4 से हराकर क्वार्टर अंतिम आठ में पहुंच गयीं।

डब्ल्यूबीबीएल में खेलेंगी मंधाना, हेमलता

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में स्मृति मंधाना, दयालन हेमलता सहित छह भारतीय खिलाड़ी खेलती नजर आयेंगी। वहीं हरमनप्रीत सिंह और शैफाली वर्मा को इसमें शामिल नहीं किया गया है। मंधाना को एडिलेड स्ट्राइकर्स ने पहले ही अनुबंधित कर लिया था। वहीं दयालन हेमलता पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम से खेलेंगी। हेमलता पहली बार इस लीग में खेलेंगी।

वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया भी इस लीग में पहली बार उतरेंगी। वह मेलबर्न स्टार्स टीम से खेलेंगी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा भी इस टीम में शामिल हैं। वहीं शिखा पांडे को ब्रिसबेन हीट ने शामिल किया है। वह पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगी। इसका कारण है कि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल नहीं हैं। वह ब्रिसबेन हीट की टीम में जेमिमा रोड्रिग्स के साथ शामिल हुई हैं। डब्ल्यूबीबीएल लीग का पहला मुकाबला 27 अक्टूबर को एडिलेड में एडिलेड स्ट्राइकर्स और ब्रिसबेन हीट के बीच होगा।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को मिला-जुला कारोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में हल्का बदलाव हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 4.40 अंक करीब 0.01 फीसदी की हल्की मामूली गिरावट के साथ 82,555 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 1.15 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 25,280 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी 50 के 50 में से 21 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। इनमें एसबीआई लाइफ, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी लाइफ, और हीरो मोटोकॉर्प ने 1.72 फीसदी तक की बढ़त रही। वहीं दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस, ओएनजीसी, इंफोसिस, अदानी पोर्ट्स और एचसीएलटेक के शेयरों में 1.36 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गयी।

सेंसेक्स के 12 शेयर बढ़त पर बंद हुए। आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और नेस्ले इंडिया में बढ़त रही जबकि बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील और एचसीएलटेक के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही।

व्यापक बाजार सूचकांकों में बढ़त रही। वहीं बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में भी 0.54 फीसदी की बढ़त रही, जबकि बीएसई मिडकैप 0.19 फीसदी की तेजी रही। आज कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स में सबसे ज्यादा बढ़त रही। इसके बाद बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर रहे जबकि मीडिया इंडेक्स सबसे ज्यादा गिरा इसके बाद मेटल, रियल्टी और ऑयल एंड गैस सेक्टर में भी गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच सेंसेक्स और निफ्टी 50 मामूली बढ़त के साथ खुले। शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 0.11 फीसदी की तेजी के साथ 82,652.69 पर था, जबकि निफ्टी 50 0.14 फीसदी की तेजी के साथ 25,313 पर था। हालांकि थोड़ी ही देर में शेयर बाजार ने अपनी तेजी को खो दिया और यह लाल निशान में फिसला गया। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स का शेयर टॉप गेनर था जबकि बजाज फाइनेंस के शेयर में सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं एशियाई शेयरों में नरमी देखी जा रही है। निवेशकों की नजर अमेरिका में डेटा-पैक सप्ताह पर है, जो यह निर्धारित कर सकता है कि इस महीने अपेक्षित फेडरल रिजर्व दर में कटौती नियमित होगी या सुपर-आकार की होगी।

दक्षिण अफ्रीका की ब्यूटी क्वीन बनीं मिस यूनिवर्स नाइजीरिया

- नागरिकता को लेकर आया था विवाद

एबूजा (ईएमएस)। मिस यूनिवर्स नाइजीरिया का ताज 23 साल की चिदिम्मा एडेत्शिना को पहनाया गया है जो कानून की छात्रा हैं। राष्ट्रीयता को लेकर आलोचना और विवाद के बाद उन्होंने मिस साउथ अफ्रीका प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया था। दक्षिण अफ्रीका के सोवतो में वह पैदा हुईं। उनके पिता एक नाइजीरियाई और मां मोजाम्बिक की हैं। एडेत्शिना शुरू में मिस साउथ अफ्रीका में फाइनलिस्ट थीं। लेकिन उनकी भागीदारी की आलोचनाएं होने लगीं। आलोचकों ने उनकी मिश्रित विरासत के कारण उनकी योग्यता पर सवाल उठाए।

विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि दक्षिण अफ्रीका के गृह मामलों के विभाग को जांच भी करनी पड़ गई। इस जांच में चिदिम्मा एडेत्शिना की ओर से कोई भी गलत काम करते नहीं पाया गया। लेकिन सुझाव दिया कि उनकी मां ने दक्षिण अफ्रीका की नागरिकता पाने के लिए पहचान चुराई हो सकती है। अपने परिवार की सुरक्षा के लिए आखिर में एडेत्शिना ने प्रतियोगिता से बाहर होने का फैसला किया। बाद में उनकी कहानी ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। प्रतियोगिता से हटने की बात जानकर मिस यूनिवर्स नाइजीरिया के आयोजकों ने उन्हें अपनी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया। इससे उन्हें वैश्विक मंच पर अपने पिता की मातृभूमि का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। शनिवार को लागोस में एडेत्शिना को मिस यूनिवर्स नाइजीरिया का ताज पहनाया गया। नवंबर में होने वाली मिस यूनिवर्स प्रतियोगितामेंवह नाजीरिया का प्रतिनिधित्वकरेंगी। एडेत्शिना ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा ?कि यह ताज सिर्फ सुंदरता के लिए नहीं बल्कि एकता का आह्वान है। उनकी जीत को सोशल मीडिया पर जश्न के तौर पर देखा गया। उनके समर्थकों ने उनकी प्रशंसा की। लेकिन कई आलोचकों नेआरोप लगाया कि उन्हें जानबूझकर जीतादिलाई गई है। उनकी राष्ट्रीयता से जुड़े विवाद के कारण उनके पक्ष में धांधली की गई।

भारत से हुए कई समझौतों को खत्म करने की तैयारी कर रही बांग्लादेश सरकार

ढाका(ईएमएस)। बांग्लादेश में भारी हिंसा और आगजनी के बीच अंतरिम सरकार बनी है। खबरें हैं कि मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ऐसे समझौतों की समीक्षा की तैयारी कर रही है, जो बांग्लादेश के लिए फायदेमंद नहीं हैं। हालांकि, अब तक बांग्लादेश की ओर से ऐसे किसी एमओयू के बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। इसके अलावा अंतरिम सरकार ने साफ किया है कि अगर जरूरत हुई तो पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस लाना जरूरी होता है, तो प्रत्यर्पण की कोशिश की जाएगी।

बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर पूर्व में हस्ताक्षर किए हुए कुछ समझौते मुल्क के लिए गैर फायदेमंद पाए जाते हैं, तो अंतरिम सरकार उनकी समीक्षा कर सकती है या कैंसिल भी कर सकती है। हालांकि, इसे लेकर अब तक अंतरिम सरकार की ओर से आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। कई रिपोर्ट्स के हवाले से लिखा है कि हाल ही में अंतरिम विदेश मंत्री तौहीद हुसैन ने हाल ही में कहा है कि एमओयू बाध्यकारी समझौते नहीं हैं और इन्हें संशोधित किया जा सकता है या वापस भी लिया जा सकता है। ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक को-ऑपरेशन की बैठक से लौटने के बाद हुसैन ने कहा, समझौते नहीं हैं। उनमें हमेशा संशोधन किया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, कई राजनीतिक जानकारों का कहना है कि अंतरिम सरकार को लगता है कि शेख हसीना प्रशासन के भारत के साथ काफी करीबी संबंध थे और हो सकता है कि एमओयू पर हस्ताक्षर करते समय भारतीय हितों का खास ध्यान रखने के लिए मजबूर होना पड़ा हो। जून 2024 में शेख हसीना प्रशासन ने भारत के साथ कुल 10 एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे। इनमें से 7 नए थे और 3 को रिन्यू किया जाना था। खबरें हैं कि बांग्लादेश को दिए जाने वाले भारतीय कर्ज को लेकर भी अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। प्लानिंग मंत्रालय इंडियन लाइन ऑफ क्रेडिट्स के जरिए जारी और प्रस्तावित प्रोजेक्ट्स की समीक्षा कर रहा है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में जल संसाधन मामलों की सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन ने कहा है कि सरकार तीस्ता जल बंटवारा संधि पर भारत के साथ बातचीत फिर से शुरू करना चाहती है। उन्होंने कहा कि ऊपरी तटवर्ती और निचले तटवर्ती देशों को जल बंटवारे पर अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों का पालन करना चाहिए।

ढाका में बातचीत में हसन ने भरोसा जताया कि भारत के साथ तीस्ता संधि एवं अन्य जल बंटवारा संधियों पर विवाद को बातचीत के जरिए सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझा लिया जाएगा लेकिन उन्होंने सुझाव दिया कि अगर किसी समझौते पर नहीं पहुंचा जा सका तो बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय वैधानिक दस्तावेजों और सिद्धांतों पर विचार कर सकता है। उन्होंने रविवार को एक साक्षात्कार में कहा, 'मैंने (बांग्लादेश ने) सभी संबंधित पक्षकारों से तीस्ता जल बंटवारा मुद्दे पर चर्चा की है। चर्चा में हम इसी नतीजे पर पहुंचे कि तीस्ता संधि के संबंध में हमें प्रक्रिया और संवाद को फिर से शुरू करने की आवश्यकता है। हमें गंगा संधि पर भी काम करना है जिसकी मियाद दो साल में पूरी होने वाली है। उन्होंने कहा, 'दोनों पक्ष सहमत हैं और तीस्ता जल-बंटवारा संधि का मसौदा तैयार है। लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के विरोध के कारण समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हो पाया।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

- सोने के वायदा भाव 71,500 रुपए, चांदी 84,400 रुपए के करीब

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने के वायदा भाव मंगलवार को तेजी के साथ खुलने के बाद सुस्त पड़ गए, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,500 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 84,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में मंगलवार को सोने-चांदी के वायदा भाव तेज शुरुआत के बाद सुस्त पड़ गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 28 रुपये की तेजी के साथ 71,629 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 112 रुपये की गिरावट के साथ 71,489 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 296 रुपये की गिरावट के साथ 84,258 रुपये पर खुला। इस समय यह 160 रुपये की नरमी के साथ 84,394 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई लेकिन बाद में इनके भाव में गिरावट देखी जाने लगी। कॉमेक्स पर सोना 2,536 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,527.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.70 डॉलर की गिरावट के साथ 2,524.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.24 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.14 डॉलर था। इस समय यह 0.32 डॉलर की गिरावट के साथ 28.82 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

तसलीमा का दावा- बांग्लादेश में लागू हो सकता है शरिया कानून

नई दिल्ली (ईएमएस)। बांग्लादेश से निर्वासित चर्चित लेखिका तसलीमा नसरीन का दावा है कि बांग्लादेश के मौजूदा हालात का सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ने वाला है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने दावा किया है कि बांग्लादेश में जल्द ही शरिया कानून लागू हो सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के खिलाफ शुरू हुई आंदोलन के दौरान भड़की में 600 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। फिलहाल, मुल्क में मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार है।नसरीन ने कहा कि अभिव्यक्ति की कोई आजादी नहीं है। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है और शरिया कानून लागू होने के बाद जल्द ही महिलाओं के पास कोई अधिकार नहीं बचेंगे। उन्होंने कहा कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार हालात और खराब कर देगी, क्योंकि शेख हसीना को हटाए जाने को एक जश्न की तरह मनाया गया था। अगस्त में नसरीन ने कहा था कि जिन इस्लामी ताकतों ने उन्हें बांग्लादेश से बाहर निकाला था, उन्होंने ही शेख हसीना को देश छोड़ने पर मजबूर किया।

तसलीमा को उनकी पुस्तक 'लज्जा' को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद 1990 के दशक में बांग्लादेश से निर्वासित कर दिया गया था। बांग्लादेश में नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था को लेकर प्रदर्शन भड़के थे। जब नसरीन से महिलाओं की स्थिति को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि महिलाओं पर सबसे बुरा असर पड़ सकता है। कट्टरपंथी इस्लावादियों का बढ़ता प्रभाव महिलाओं पर पाबंदियां लगाकर उनके सारे अधिकार छीन लिए जाएंगे और उन्हें शरिया कानून के जरिए नियंत्रित किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि विश्वविद्यालयों में लड़कियों को ड्रेस कोड का पालन करने के लिए कहा गया है।

जब सवाल किया गया कि क्या शेख हसीना के जाने के बाद महिलाओं के प्रति रवैये में बदलाव आया है, तो उन्होंने हां में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हिजाब/नकाब/बुर्का को ड्रेस कोड के तौर पर लाया गया है और जल्द ही ऐसा सब सामान्य हो जाएगा।

यूक्रेन के थर्माइट बम........रुसी टैंक व गाड़ियों को सेकंड में पिघला दें

-कुछ महीनों पहले रूसी सैनिकों पर हो चुका है प्रहार

कीव,(ईएमएस)। ऊंचे-ऊंचे पेड़ों के नीचे रूसी हथियारबंद सैनिक और बख्तरबंद गाड़ियां छिपी हैं तभी अचानक ऊपर से एक ड्रोन आता है और पेड़ों के ऊपर से नीचे की तरफ आग उगलता है। ये आग सामान्य आग की तरह नहीं है. ये जहां गिर रही है, वहां चिपक जाती है। जैसे यह पिघला हुआ लावा हो। ये आग पेड़ों को जलाकर राख कर देते हैं। इसमें धमाके भी होते हैं। रूसी हथियार फटने लगते हैं। यह आग उगलने वाले ड्रोन के कई नाम है। आम बोलचाल में इसे फ्लेमथ्रोअर ड्रोन कहते हैं। फैंसी तरीके से इसे ड्रैगनफायर ड्रोन बुलाते हैं। इसके अलावा डिफेंस में इसका असली नाम थर्माइट ड्रोन है।

यूक्रेन की सेना ने अपने टेलीग्राम हैंडल पर इसका वीडियो शेयर किया था जिसके बाद एक्स पर हंगामा मचा गया। इस तरह का ड्रोन यूक्रेन की 108वीं सेपरेट टेरिटोरियाल डिफेंस ब्रिगेड संचालित करती है। पहले यह ड्रोन पेड़ों के नीचे छिपे दुश्मन पर आग बरसाते है, इसके बाद सारा बचा हुआ हथियार नीचे ड्रॉप कर देता है। कुछ महीनों पहले भी यूक्रेन ने रूसी सैनिकों के ऊपर थर्माइट बम बरसाते थे। ये बम हवा में थोड़ा ऊपर फटते थे। इसके बाद बड़े इलाके में आग लगा देते या ज्वलनशील पदार्थ छोड़ देते थे। इनका इस्तेमाल खासतौर से रूसी गाडियों को जलाने के लिए किया जा रहा था।

यह एक अत्यधिक तापमान वाला केमिकल है। इसमें जंग लगा आयरन ऑक्साइड और अल्यूमिनियम पाउडर मिलाया जाता है। थर्माइट का तापमान 2204 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा पहुंच जाता है यानी इस तरह के हथियार का इस्तेमाल जिस चीज के ऊपर किया जाएगा, वह पिघल जाएगी। यूक्रेनी सैनिक थर्माइट ग्रैनेड भी इस्तेमाल करते हैं ताकि टैंक, बख्तरबंद वाहन के जरूरी हिस्सों पर हमला करके उसे जला सकें। अगर यह ग्रैनेड टैंक के हैच के अंदर गिरा दिया जाए तो यह इतना तापमान पैदा कर देता है कि अंदर रखे गोले फटने लगते हैं। इससे टैंक में मौजूद सैनिक मारे जाते हैं. टैंक या बख्तरबंद वाहन जल जाता है।

आग उगलने वाले ड्रोन के नीचे एक या कई थर्माइट कंटेनर लगाए जाते हैं। एक कंटेनर आमतौर पर सवा दो किलोग्राम का होता है। जो करीब 22 सेकेंड तक जलता है। ये 22 सेकेंड दुश्मन के किसी भी हथियार को जलाकर खत्म करने के लिए पर्याप्त हैं। इसलिए अगर कई कंटेनर लगे हैं तो सब आपसे में जुड़े होते हैं। एक के बाद एक जलते रहते हैं. बाद में इन कंटेनर्स को दुश्मन के ऊपर गिरा दिया जाता है।

देश के 185 लोगों की संपत्ति जीडीपी की एक तिहाई

- मुकेश अंबानी 10.5 लाख करोड़ की संपत्ति के साथ सूची में शीर्ष पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के सबसे धनी व्यक्तियों की कुल संपत्ति 1 लाख करोड़ डॉलर से ज्यादा 1.19 लाख करोड़ डॉलर (करीब 99.86 लाख करोड़ रुपये) हो चुकी है। फॉर्च्यून इंडिया की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। सूची में 185 लोगों डॉलर अरबपति का दर्जा दिया गया है यानी उनके पास कम से कम 1 अरब डॉलर की संपत्ति है। फॉर्च्यून इंडिया वाटरफील्ड एडवाइजर्स 2024 रैंकिंग के मुताबिक भारत के अरबपतियों की कुल संपत्ति साल 2022 के 832 अरब डॉलर से 50 फीसदी अधिक हो चुकी है। उस समय भारत में डॉलर अरबपतियों की संख्या 142 थी। रिपोर्ट में कहा गया है ?कि यह वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और डॉलर के मुकाबले रुपये में 5 फीसदी तक की गिरावट के बावजूद संपत्ति में उल्लेखनीय इजाफे को दर्शाता है। भारत के डॉलर अरबपतियों की कुल संपत्ति अब भारत के नॉमिनल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 33.81 फीसदी के बराबर हो चुकी है। इस साल डॉलर अरबपतियों की सूची में रोजमर्रा के उपभोग वाली वस्तुएं (एफएमसीजी), फार्मास्युटिकल्स और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों से 29 नए अरबपति शामिल हुए जिन्होंने सामूहिक रूप से 4.09 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की है। फॉर्च्यून इंडिया ने कहा है कि रिलायंस समूह के चेयरमैन मुकेश अंबानी 10.5 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ इस सूची में शीर्ष पायदान पर मौजूद हैं। उनके बाद दूसरे पायदान पर अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी हैं। पिछले सप्ताह हुरुन इंडिया की 2024 की सूची में अदाणी को 11.6 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ एशिया का सबसे अमीर व्यक्ति बताया गया था। इन डॉलर अरबपतियों की संपत्ति बढ़ाने में शेयर बाजार ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अरबपतियों की औसत संपत्ति साल 2022 में 46,729 करोड़ रुपये थी जो बढ़कर साल 2024 में 53,978 करोड़ रुपये हो गई। शीर्ष 10 डॉलर अरबपतियों की सूची में अदाणी और अंबानी के अलावा मिस्त्री परिवार, शिव नादर, राधाकिशन दमानी, सुनील मित्तल और अजीम प्रेमजी मौजूद हैं। जिंदल परिवार की मुखिया एवं जिंदल समूह की चेयरपर्सन सावित्री देवी जिंदल 33.06 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ शीर्ष 10 की सूची में इकलौती महिला हैं और वह चौथे पायदान पर हैं।

खालिस्तानी प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए भारत से कनाड़ा जा रहे युवा

ओटावा (ईएमएस)।कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियों में हिस्सा लेने वाले लोगों में भारत से गए युवाओं की संख्या में इजाफा दिख रहा है। कई युवा तो ऐसे भी हैं, जो इन आंदोलनों में शामिल होकर सेल्फी भी लेते हैं। माना जा रहा है कि इन लोगों के प्रदर्शनों में हिस्सा लेने की संख्या इसलिए बढ़ी है क्योंकि कनाडा सरकार ने प्रवासियों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए कुछ ऐलान किए हैं। भारतीय अधिकारियों ने इसे लेकर चिंता जताई है। उन्हें संदेह है कि ऐसे लोग बड़ी संख्या में खालिस्तानियों के कनाडा में होने वाले प्रदर्शनों में शामिल हो रहे हैं, जो वहां बसना चाहते हैं। इन लोगों को लगता है कि खालिस्तान की मांग वाले प्रदर्शनों में शामिल होकर वे वहां की सरकार के समक्ष माहौल बना लेंगे।

यही नहीं बीते शनिवार को भी खालिस्तानियों ने एक प्रदर्शन किया था। इस दौरान दिलावर बब्बर नाम के उस खालिस्तानी के पोस्टर लहराए गए, जो एक आत्मघाती हमलावर था। उसने पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह की 29 साल पहले हत्या कर दी थी। यही नहीं ऑपरेशन ब्लूस्टार की बरसी पर इंदिरा गांधी की हत्या के चित्रण वाली तस्वीरें भी लहराई गई थीं। हालांकि अब तक यह प्रमाण नहीं मिले हैं कि इन रैलियों को आयोजित करने वालों ने ही वहां अस्थायी तौर पर बसे युवाओं को आमंत्रित किया था। हालांकि नई दिल्ली में इस बात का संदेह जताया जा रहा है। इसकी वजह यह भी है कि इस साल कनाडा के लिए अप्लाई करने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। अब तक अधिकारियों को जानकारी मिली है कि करीब आधा दर्जन ऐसी इमिग्रेशन फर्म्स हैं, जो लोगों को सलाह दे रही हैं कि यदि वे कनाडा में रहना चाहते हैं तो खालिस्तान से जुड़े आंदोलनों में हिस्सा लें। इससे कनाडा की सरकार से नागरिकता के लिए दावा करने में मदद मिलेगी। एक अधिकारी ने बताया, कुछ युवाओं को तस्वीरें लेते हुए देखा गया है। इनमें से ज्यादातर शायद नागरिकता के लिए अप्लाई करना चाहते हैं। यह एक रैकेट का हिस्सा है। इस साल खालिस्तान समर्थकों ने कई प्रदर्शन किए हैं। इन लोगों ने कई बार भारतीय कौंसुलेट्स को घेरा और राजनयिकों के साथ भी बदसलूकी करने की कोशिश की गई। डेटा के मुताबिक इस साल जनवरी से लेकर जून तक 16800 लोगों ने कनाडा में रहने के लिए आवेदन किया था। यह 2023 में पूरे साल किए गए आवेदनों से भी अधिक है। इस तरह माना जा रहा है कि इस साल यह आंकड़ा कम से 25000 तक पहुंच सकता है। माना जाता है कि कनाडा में पीएम जस्टिन ट्रूडो की सत्ता आने के बाद आवेदन करने वाले भारतीयों की संख्या में ज्यादा इजाफा हुआ है। 2015 में तो यह आंकड़ा महज 380 का ही था।

नेतन्याहू ने जनता से क्यों माफी मांगी.....हमास से क्या कनेक्शन

येरुशलम (ईएमएस)। गाजा में मृत मिले छह इजराइली बंधकों को वापस लाने में नाकाम रहने पर प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू ने जनता से माफी मांगी है।

उधर हमास ने चेतावनी देकर कहा कि अगर युद्धविराम पर समझौता नहीं हुआ, तब अन्य बंधक भी 'कफन में अपने घर लौटेंगे। नेतन्याहू का यह बयान तब आया है, जब समझौता वार्ता को अंजाम देने के उनके तरीके को लेकर इजराइल में दूसरी रात भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दबाव बढ़ रहा है, क्योंकि ब्रिटेन ने ये कहकर इसराइल को और हथियार देने पर रोक लगा दी है कि उनका इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन के लिए हो सकता है। लेकिन प्रधानमंत्री अब भी अपने रुख पर अड़े हुए हैं और उन्होंने कहा कि गाजा के फिलाडेल्फी कॉरिडोर पर इजराइली सेना का नियंत्रण जरुरी है। हमास के साथ समझौता वार्ता में यह कॉरिडोर प्रमुख मुद्दा बना हुआ है।

भारत के मौजूदा पैरालंपिक में हुए 11 पदक

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस पैरालंपिक के तीसरे दिन भारत ने अभी तक चार मेडल अपने नाम किए हैं, जिनमें तीन मेडल बैडमिंटन में आए हैं। शटलर नितेश कुमार ने पुरुषों के मेंस सिंगलस एसएल-3 मैच में ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया तो वहीं तुलसीमथी मुरुगेसन को महिला एकल एसयू 5 स्वर्ण पदक मैच में चीन की किउ ज़िया यांग के खिलाफ हारकर सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। दिन का तीसरा मेडल मनीषा रामदास ने दिलाया।

मनीषा ने डेमनार्क की कैथरीन रोसेनग्रेन को हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। इन तीन पदकों के साथ भारत के मौजूदा पैरालंपिक में 11 पदक हो चुके हैं। उनसे पहले भारत के योगेश कथुनिया ने सोमवार को चल रहे खेलों में सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की डिस्कस थ्रो एफ-56 स्पर्धा में लगातार दूसरा पैरालंपिक रजत पदक जीता। बैडमिंटन स्टार सुहास यतिराज का अभी गोल्ड मेडल मैच बाकी है, जबकि स्टार तीरंदाज शीतल देवी और राकेश कुमार मिश्रित टीम कंपाउंड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। बाद में, सुमित अंतिल पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भाग लेंगे।

बता दें, ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत ने लगातार दो पैरालंपिक खेलों में मेडल टैली में दहाई का आंकड़ा पार किया है। भारत ने टोक्यो में 19 पदक जीते थे। पेरिस में भारत अभी तक 11 पदक जीत चुका है।

पंजाबी गायक के घर के बाहर फायरिंग, ढिल्लो बोले-मैं सुरक्षित हूं

टोरंटो,(ईएमएस)। गायक एपी ढिल्लों के कनाडा स्थित घर पर फायरिंग की गई थी जिसको लेकर उनके फैंस चिंचित थे। अब सिंगर ने एक पोस्ट साझा कर कहा कि उनके कनाडा स्थित घर के बाहर गोलीबारी के बाद वह सुरक्षित हैं। पंजाबी गायक एपी ढिल्लों के कनाडा स्थित घर के बाहर रविवार रात अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग की थी, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। ढिल्लों का घर वैंकूवर के विक्टोरिया आईलैंड में स्थित है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां इसकी जांच में जुट गई हैं। हमले के पीछे गैंगस्टर गोल्डी बराड़ का नाम सामने आया है।

इस बीच, लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए इस वारदात की जिम्मेदारी ली है। हालांकि, हमलावरों की पहचान नहीं हो की है। उल्लेखनीय है कि बीते महीने ही एपी ढिल्लों ने सलमान खान और संजय दत्त के साथ गाना ओल्ड मनी रिलीज़ किया था। कनाडा में हुई इस फायरिंग के बाद एक और फायरिंग की घटना सामने आई है। दूसरी घटना की जिम्मेदारी भी लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा ने ली है।

नेपाल में नकली भारतीय करेंसी मामले में 08 लोग गिरफ्तार

सोनबरसा,(ईएमएस)। नेपाल में सरलाही जिला की पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय जाली नोट के धंधेबाजों के एक रैकेट का पर्दाफाश किया है। सर्लाही जिले के दशवानी गांव के पास सिंचाई के लिए बनाए गए घर में नकली नोट बनाए जाने की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की। यह गिरफ्तारी उस वक्त हुई जब नेपाली व भारतीय करेंसी छाप कर बाजार में भेजने की तैयारी हो रही थी।

उसी वक्त नेपाल पुलिस ने छापेमारी कर आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें सीतामढ़ी जिले का भी दो लोग शामिल हैं। गिरफ्तार किए लोगों में मधुवनी से सीतामढ़ी जिला अंतर्गत बैरगनिया पानी टंकी क्षेत्र के राजीव ठाकुर उर्फ पप्पू, मेजरगंज वार्ड आठ के सुवोध कुमार, नेपाल के काठमांडू चंद्रगिरि का सौगत थापा मगर, कागेश्वरी मनोहरा विजय लामा शामिल हैं। इसके अलावा सर्लाही गोरैता मधुवनी के जनार्दन सिंह, नरई टोल रौतहट के विशाल राय, ललितपुर कुपंडोल के संजय राणा मगर और भक्तपुर चांगुनारायण के अमीर खत्री शामिल है। सर्लाही पुलिस ने बताया कि एक हजार के नोट के आकार में कटे कागज के 14 बंडल, कई रंगों के 8 लीटर केमिकल, 95 हजार 805 नेपाली रुपए, दस मोबाइल, बीआर 6 बीएस 6857, बीआर 30 टी 5243 नंबर की बाइक आड़ैर एक नेपाली नंबर की स्कार्पियो जब्त की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है इनसे कई और खुलासे होने की उम्मीद है।

दुनिया की आधी आबादी जूझ रही जरूरी माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी से

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अक्सर माना जाता है कि पोषक तत्वों की कमी गरीब देशों में ज्यादा होती है, लेकिन एक हालिया स्टडी में बेहद हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी जरूरी माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी से जूझ रही है। अमीर हों या गरीब, सभी देशों में पोषक तत्वों की कमी लोगों की सेहत को बर्बाद कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक नई स्टडी में पता चला है कि दुनिया के 60 फीसदी से ज्यादा लोग कैल्शियम, आयरन, विटामिन सी और विटामिन ई समेत कई पोषक तत्वों की कमी से जूझ रहे हैं। खास बात यह है कि यूरोपीय देशों में भी हालात बदतर मिले हैं। शोध करने वाले वैज्ञानिकों ने 15 प्रमुख माइक्रोन्यूट्रिएंट्स कैल्शियम, आयोडीन, आयरन, राइबोफ्लेविन, फोलेट, जिंक, मैग्नीशियम, सेलेनियम, थायमिन, नियासिन और विटामिन ए, विटामिन बी6, विटामिन बी12, विटामिन सी और विटामिन ई के अनुमानित ग्लोबल कंजप्शन का एनालिसिस किया। इसमें हैरान करने वाली बातें सामने आईं।

रिसर्चर्स ने बताया कि विश्व के 68प्रतिशत लोगों में आयोडीन की कमी, 67प्रतिशत लोगों में विटामिन-ई की कमी, 66 प्रतिशत लोगों में कैल्शियम की कमी और 65प्रतिशत लोगों में आयरन की कमी है। कैल्शियम का सेवन उत्तरी अमेरिका, यूरोप और मध्य एशिया में काफी कम देखने को मिला। विश्व की आधी से अधिक जनसंख्या को राइबोफ्लेविन, फोलेट और विटामिन सी और विटामिन बी6 भी कम मात्रा में मिल रहे हैं। नियासिन की कमी केवल 22प्रतिशत लोगों में थी, जबकि थायमिन (30 प्रतिशत) और सेलेनियम (37 प्रतिशत) लोगों में जरूरत से कम था। खास बात यह है कि महिलाओं में पुरुषों की तुलना में आयोडीन, विटामिन बी12, आयरन और सेलेनियम की कमी ज्यादा पाई गई, तो कैल्शियम, नियासिन, थायमिन, जिंक, मैग्नीशियम, विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन बी6 की कमी पुरुषों में ज्यादा है। इन सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से थकावट, हड्डियों में दर्द, बालों का झड़ना और कमजोरी हो सकती है।

इस रिसर्च का रिजल्ट लैंसेट ग्लोबल हेल्थ में पब्लिश हुआ है। इस रिसर्च में शामिल एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये परिणाम चिंताजनक हैं। सभी क्षेत्रों में अधिकांश लोग कई आवश्यक पोषक तत्वों की कमी का सामना कर रहे हैं। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई पोषक तत्वों की जरूरत होती है। अगर बॉडी में पर्याप्त न्यूट्रिएंट्स नहीं पहुंचेगे, तो कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं।

मंगोलिया पहुंचे पुतिन, आईसीसी के आदेश को दरकिनार का हुआ जोरदार स्वागत

उलनबटार,(ईएमएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मंगोलिया पहुंचे गए हैं. इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने पुतिन को गिरफ्तार करने के लिए मंगोलिया को आदेश दिया था, लेकिन मंगोलिया ने पुतिन को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। रूस के एक जानकार ने कहा कि मंगोलिया को मौजूदा समय में आईसीसी से ज्यादा रूस की जरूरत है.

मंगोलिया ने आईसीसी के आदेशों को दरकिनार करते हुए पुतिन का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। पुतिन के आगमन के दौरान चंगेज खान के स्मारक को दोनों देशों के झंडों से रंग दिया गया। कुछ मानवाधिकार से जुड़े लोग एयरपोर्ट के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन मंगोलियाई सरकार की तरफ से पुतिन के स्वागत में कोई कमी नहीं की गई।

दरअसल, मंगोलिया आईसीसी का सदस्य देश है और मार्च 2023 में ही आईसीसी ने पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। पुतिन को यूक्रेन से बच्चों के अपहरण और युद्ध के दौरान अपराध के लिए आरोपी बताया गया है। ऐसे में आईसीसी ने पुतिन को गिरफ्तार करने का आदेश दिया था। गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद से पुतिन अब तक12देशों की यात्राएं कर चुके हैं, लेकिन वे आईसीसी सदस्य देशों से बचते रहे हैं। इन देशों में चीन, नॉर्थ कोरिया, सउदी अरब और यूएई जैसे देश शामिल हैं।

विश्व बैंक का भारत की वृद्धि दर सात फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली (ईएमएस)। कृषि क्षेत्र और ग्रामीण मांग में सुधार की वजह से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान है। विश्व बैंक की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बावजूद भारत की वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है। विश्व बैंक ने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट रिपोर्ट में कहा ?कि भारत जो दक्षिण एशिया क्षेत्र का बड़ा हिस्सा है उसकी वृद्धि दर 2024-25 में सात प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है ?कि कृषि क्षेत्र में सुधार से उद्योग में आई मामूली गिरावट की आंशिक भरपाई हो जाएगी और सेवाएं मजबूत बनी रहेंगी। कृषि में अपेक्षित सुधार से ग्रामीण मांग में भी सुधार होगा।

दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नई योजना का किया ऐलान

जोहान्सबर्ग(ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार को एक नई विश्वसनीय टूर ऑपरेटर योजना (टीटीओएस) के निर्माण की घोषणा की। इसका शुरुआती फोकस भारत और चीन के उभरते पर्यटन बाजारों पर होगा। देश के गृह विभाग ने कहा कि जनवरी 2025 से लागू की जाने वाली इस योजना से वीजा प्रणाली में सुधार होगा और पर्यटन क्षेत्र में रोजगार में तेजी आने की उम्मीद है। दक्षिण अफ्रीका के गृह मंत्री लियोन श्रेइबर ने कहा, शोध से पता चलता है कि पर्यटन को प्रति वर्ष केवल 10 प्रतिशत बढ़ाने से वार्षिक आर्थिक विकास में 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है और दक्षिण अफ्रीका के लोगों के लिए हजारों नए रोजगार सृजित हो सकते हैं। कुछ देशों के कई पर्यटकों के लिए बड़े समूहों में यात्रा करना पसंदीदा विकल्प है और अब समय आ गया है कि हमारी वीजा प्रणाली इस वास्तविकता को प्रतिबिंबित करने और इसका लाभ उठाने के लिए अनुकूल हो।

मंत्री ने कहा, यह गृह मंत्रालय द्वारा आर्थिक रूप से सक्षम बनाने की हमारी भूमिका को अपनाने की शुरुआत मात्र है। टीटीओएस अपने आप में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक अंतरिम उपाय है। हम गृह मंत्रालय को डिजिटल रूप से बदलने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य एक पूरी तरह से स्वचालित प्रक्रिया है, जो दुनिया भर के पर्यटकों को सुरक्षित पर्यटक वीजा परिणाम डिजिटल रूप से और कुछ सेकंड के भीतर प्रदान करती है।टीटीओएस दक्षिण अफ्रीका को दुनिया की दूसरी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक पसंदीदा पर्यटन स्थल बनने के रास्ते में आने वाली कुछ प्रमुख बाधाओं को दूर कर देगा। देश कीसरकारके अनुसार, फिलहाल दक्षिण अफ्रीका आने वाले सभी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों में भारतीय पर्यटकों की संख्या केवल3.9प्रतिशत है। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा, पर्यटन विभाग, साथ ही प्रेसीडेंसी और ऑपरेशन वुलिंडलेला के सहयोग से, गृह मंत्रालय ने इन दो प्रमुख बाजारों से पर्यटन के लिए बाधाओं को तत्काल दूर करने का संकल्प लिया है।

इसमें कहा गया है, विश्वसनीय नियोक्ता योजना (टीईएस) के सकारात्मक प्रभाव को देखने के बाद, जो महत्वपूर्ण कौशल को आकर्षित करने के लिए जांचे-परखे और अनुमोदित व्यवसायों को त्वरित और सरलीकृत वीजा प्रसंस्करण सेवाएं प्रदान करती है, गृह मंत्री लियोन श्रेइबर ने निर्देश दिया कि लालफीताशाही को कम करने और भारत और चीन जैसे गैर-वीजा छूट वाले देशों से आने वाले पर्यटकों के लिए दक्षता में सुधार करने के लिए समान सिद्धांत को लागू किया जाना चाहिए।टीटीओएस के माध्यम से, दोनों देशों के सत्यापित और अनुमोदित टूर ऑपरेटरों को विभाग में पंजीकरण के लिए आमंत्रित किया जाएगा। पूरी तरह से स्क्रीनिंग से गुजरने और अपने समूहों में यात्रियों की जिम्मेदारी संभालने के बदले में विभाग पहली बार अनुमोदित ऑपरेटरों के साथ यात्रा करने वाले भारतीय और चीनी पर्यटकों के समूह आवेदनों पर कार्रवाई करेगा।टीटीओएस के माध्यम से संसाधित किए जाने वाले पर्यटक वीज़ा आवेदनों को निर्णायकों की एक समर्पित और कुशल टीम द्वारा संभाला जाएगा, ताकि त्वरित और विश्वसनीय प्रसंस्करण सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही प्रतिबंधात्मक लालफीताशाही को भी हटाया जा सकेगा, जो वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका की पर्यटन क्षमता को प्रभावित कर रही है।

गुजरात में छह दिन 'भारी', कल से फिर जोर पकड़ेगी बारिश, इस जिले पर सबसे बड़ा खतरा

अहमदाबाद,3 सितंबर

अंबालाल पटेल ने गुजरात में भारी बारिश की भविष्यवाणी की: दो दिनों के ब्रेक के बाद गुजरात में फिर से बारिश का नया दौर शुरू हो गया है। मौसम विभाग के भारी बारिश के पूर्वानुमान के बाद दक्षिण गुजरात में मूसलाधार बारिश हुई। नवसारी जिले में पूर्णा और अंबिका नदियाँ फिर घोड़ापुर में आ गईं। इस बीच, मौसम विशेषज्ञ अंबालाल पटेल ने राज्य में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है.

मौसम विशेषज्ञ अंबालाल पटेल के पूर्वानुमान के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में एक और सिस्टम बनेगा। इसके चलते 3 सितंबर से 11 सितंबर तक गुजरात के विभिन्न हिस्सों में बारिश होने की संभावना है. बंगाल की खाड़ी में एक के बाद एक सिस्टम बनेंगे जो बाद में निम्न दबाव, गहरे दबाव में बदल जाएंगे। 6 सितंबर से 11 सितंबर के बीच दक्षिण गुजरात के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना रहेगी. मध्य गुजरात के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है. पंचमहल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है. उत्तरी गुजरात और सौराष्ट्र के कुछ हिस्सों में हल्की से भारी बारिश होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में राज्य के 183 तालुकाओं में बारिश दर्ज की गई है. जिसमें भरूच के वालिया में सबसे ज्यादा11.69 इंच बारिश दर्ज की गई है. जबकि तापिना सोनगढ़ में 9 इंच, मांगरोलमें 7.6 इंच, भरूच में 7.2 इंच, तिलकवाड़ा में 6.9 इंच, डोलवान में 6.7 इंच, नडियाद में 6.5 इंच और सुबीर में 6.5 इंच बारिश हुई। यह भी पढ़ें: दक्षिण गुजरात में मेघराजा की मार, तापी जिले में 350 से अधिक लोगों को बचाया गया, नदियां उफान पर हैं

3 सितंबरः छोटा उदेपुर, नर्मदा, सूरत में रेड अलर्ट। बनासकांठा, पंचमहल, दाहोद, वडोदरा, भरूच, डांग, नवसारी, वलसाड, तापी, दमन, दादरा नगर हवेली में ऑरेंज अलर्ट। चार सितंबरः भरूच, सूरत में रेड अलर्ट। नर्मदा, भरूच, सूरत, डांग, तापी, नवसारी, वलसाड, दमन, दादरा नगर हवेली में ऑरेंज अलर्ट।5 सितंबर बनासकांठा, नवसारी, वलसाड, दमन, दादरा नगर हवेली, कच्छ में ऑरेंज अलर्ट।

अहमदाबाद निगम का दिन. नगर निगम कमिश्नर पर गिरी गाज, हाई कोर्ट से मांगनी पड़ी माफी!

अहमदाबाद,3 सितंबर

गुजरात उच्च न्यायालयः गुजरात उच्च न्यायालय ने एक वरिष्ठ नागरिक महिला के पति के मृत्यु प्रमाण पत्र में त्रुटि को ठीक करने में गलती करने के लिए एएमसी अधिकारियों को फटकार लगाई है। एक बार तो एएमसी के डिप्टी म्यूनिसिपल कमिश्नर को कोर्ट में पेश होकर माफ़ी मांगनी पड़ी. उन्होंने महिला के पति के मृत्यु प्रमाण पत्र में हुई त्रुटि को भी ठीक करने का आश्वासन दिया. उच्च न्यायालय ने एएमसी से दृढ़तापूर्वक आग्रह किया कि, ऐसे आवेदनों के मामलों में, एएमसी अधिकारियों को उचित तरीके से निपटान करना चाहिए और अदालत पर अनावश्यक रूप से बोझ नहीं बढ़ाना चाहिए।

उच्च न्यायालय ने एएमसी अधिकारियों की कड़ी आलोचना की और कहा कि वर्तमान मामले में एएमसी अधिकारियों द्वारा दिमाग का उपयोग नहीं किया गया। चार महीने से वरिष्ठ नागरिक महिला एएमसी और सिविल अस्पताल के बीच चक्कर लगा रही है।

प्रमाणपत्र को संशोधित करने के बजाय, एएमसी कर्मचारियों ने उसे सिविल अस्पताल में धकेल दिया। इस मामले की सुनवाई के दौरान साउथ जोन के डिप्टी म्यूनिसिपल कमिश्नर को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होना पड़ा और हाई कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगनी पड़ी.

उन्होंने साक्ष्य प्रस्तुत कर महिला के पति के मृत्यु प्रमाण पत्र में आवश्यक सुधार करने का आश्वासन दिया। साथ ही कोर्ट को भरोसा दिलाया कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा.

अहमदाबाद में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल का दूसरा दिन, मांग में 10 फीसदी की कमी

अहमदाबाद,3 सितंबर

अहमदाबाद रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़तालः राज्य स्वास्थ्य विभाग ने रेजिडेंट डॉक्टरों के स्टाइपेंड में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। रेजिडेंट डॉक्टर 40 फीसदी बढ़ोतरी की मांग को लेकर हड़ताल पर चले गए हैं. इस हड़ताल के कारण सिविल अस्पताल में मरीजों का नुकसान बढ़ गया है. इस बीच, स्वास्थ्य विभाग ने हड़ताली रेजिडेंट डॉक्टरों को मंगलवार (3 सितंबर, 2024) रात नौ बजे तक डयूटी पर आने या दंडात्मक कार्रवाई का सामना करने का अल्टीमेटम दिया है। लेकिन आज हड़ताल के दूसरे दिन डॉक्टर जुटने लगे हैं. हालांकि, आज रेजिडेंट डॉक्टर स्टाइपेंड में 30 फीसदी बढ़ोतरी की ही मांग कर रहे हैं.

अहमदाबाद में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल के बाद मरीजों को परेशानी न हो इसके लिए सिविल अस्पताल में दूसरे सरकारी अस्पतालों से डॉक्टरों को बुलाकर वैकल्पिक व्यवस्था की गई है. डॉक्टर ने सोमवार (2 सितंबर) तक स्टाइपेंड में 40 फीसदी बढ़ोतरी की मांग की थी, लेकिन आज 40 फीसदी की जगह 30 फीसदी की मांग की गई है. यानी अब बाकी 10 टका बढ़ोतरी की मांग को लेकर हड़ताल शुरू कर दी गई है. हालांकि डॉक्टरों की इस जिद के आगे सरकार भी झुकने को तैयार नहीं है. रेजिडेंट डॉक्टरों से बातचीत भी टाल दी गई।

सूत्रों के अनुसार सरकार के आदेश के बाद स्वास्थ्य विभाग ने निर्णय लिया है कि मंगलवार की सुबह नौ बजे तक अगर डॉक्टर उपस्थित नहीं होंगे तो दंडात्मक कार्रवाई की जायेगी. इतना ही नहीं, हड़ताली रेजिडेंट डॉक्टरों का रजिस्ट्रेशन भी रद्द करने की कार्रवाई की जा रही है. इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग ने हड़ताल में शामिल रहे रेजिडेंट डॉक्टरों की अनुपस्थिति भी कवर करने का निर्देश दिया है. मरीजों की कीमत पर अक्सर हड़ताल पर जाने वाले रेजिडेंट डॉक्टरों के खिलाफ सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। इसके अलावा सरकार किसी भी कीमत पर वजीफा नहीं बढ़ाने पर आमादा है.

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक हर तीन साल पर स्टाइपेंड में 40 फीसदी की बढ़ोतरी का कोई सरकारी संकल्प नहीं है. इसके अलावा संविदा प्रोफेसरों का वेतन 95 हजार रुपये है. जबकि रेजिडेंट डॉक्टरों का स्टाइपेंड 1.30 लाख रुपये है. सरकार किसी भी कीमत पर स्टाइपेंड बढ़ाने को तैयार नहीं है क्योंकि सिर्फ 20 फीसदी स्टाइपेंड बढ़ाने से सरकारी खजाने पर 122 करोड़ रुपये का बोझ आ गया है.

मानसून के मौसम में कई तरह की बीमारियाँ फैलती हैं, जिसके कारण अस्पतालों में भी मरीजों की भीड़ लग जाती है, ऐसे में जब रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर चले जाते हैं, तो कई मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। बता दें कि दो दिन पहले सरकार ने रेजिडेंट डॉक्टरों का स्टाइपेंड 20 फीसदी बढ़ाने का ऐलान किया था. हालांकि, इससे रेजिडेंट डॉक्टर नाराज हो गए और उन्होंने अपने स्टाइपेंड में बढ़ोतरी की मांग को लेकर फिर से हड़ताल पर जाने का फैसला किया।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय तथा गुजरात सरकार के संयुक्त उपक्रम से 6 सितंबर को सूरत से जल संचय जन भागीदारी योजना का शुभारंभ होगा

गांधीनगर 03 सितंबर, 2024 : केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय एवं गुजरात सरकार के संयुक्त उपक्रम से 6सितंबर को सूरत से जल संचय जन भागीदारी योजना का शुभारंभ नरेन्द्र मोदीइस अवसर पर वर्चुअली उपस्थित रहकर मार्गदर्शन देने वाले हैं, जबकि केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल एवं मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सूरत से इस कार्यक्रम में जुड़ेंगे।

उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालयद्वारा देश के राज्यों में जल संचय संबंधी कार्यों के लिए 'कैच द रेन,व्हेयर इट फॉल्स-व्हेन इट फॉल्स' थीम के साथ वर्ष 2021 से जल शक्ति अभियान चलाया जाता है।

वर्ष 2024 में 'नारी शक्ति से जल शक्ति'थीम के साथ 9 मार्च से 30 नवंबर, 2024 तक जल शक्ति अभियान आयोजित हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को राज्य के जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक आयोजित कर इस अभियान को व्यापक सफल बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया।

श्री पटेल ने इस वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक के दौरान राज्य में वर्षा की स्थिति की भी समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि अब जबकि वर्षा ने विराम लिया है और हम वर्षा की स्थिति से बाहर आ रहे हैं, तब प्रभावित जिलों में सफाई, लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा, सड़कों की तत्काल मरम्मत को प्राथमिकता दी जाए। इतना ही नहीं;वर्षाग्रस्त क्षेत्रों में सर्वेक्षण कर प्रभावितों को कैशडोल्स व घरेलू सामान सहायता के भुगतान को भी प्राथमिकता दी जाए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली तथा केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल एवं मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल सूरत से जुड़ेंगे मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक कर मार्गदर्शन दिया

इस वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक में मुख्य सचिव श्री राज कुमार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री पंकज जोशीएवं मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री एम. के. दास तथा वरिष्ठ सचिव भी सहभागी हुए।

शराब की नशे में गिरफ्तार भाजपा का पूर्व पार्षद जमानत पर रिहा

राजकोट (ईएमएस)गांधी का गुजरात एक मद्यनिषेध राज्य है, लेकिन शराबकी किसी ने कभी कमी महसूस नहीं कीं आए दिन गुजरात के विभिन्न जिलों में बड़ी मात्रा में देशी-विदेशी शराब पकड़ी जाती है और यह सिलसिला दशकों से चला रहा हैं कई बार शराब तस्करी या नशे की हालतमें सत्तापक्ष और विपक्ष के नेता भी धरे जाते हैं ऐसी ही एक घटना राजकोटसेसामने आई हैं जिसमें भाजपा का पूर्व नगर पार्षद शराब के नशे में गिरफ्तार कर लिया गया सत्तापक्ष के पूर्व नगर पार्षद के शराब के नशे मेंपकड़े जाने की बात शहर में आग की तरह फैल गई और लोगों में यह चर्चा का विषय बन गई जानकारी के मुताबिक राजकोट भाजपा के कार्यकर्ता और पूर्व नगर पार्षद आशीष वागडिया बीते रोज अपनी ऑफिस में नशा कर रहे होने की पुलिस को सूचना मिली थी

भारतीय आइसक्रीम एक्सपो (आईआईसीई) का बहुप्रतीक्षित 12वां संस्करण आज हेलीपैड प्रदर्शनी केंद्र, गांधीनगर में शुरू

इंडियनआइसक्रीमएक्सपोगांधीनगर में 22 देशों का प्रतिनिधित्व किया; एक्सपो में 300 से अधिक स्टॉल होंगे और देश भर से 30,000 से अधिक आगंतुकों के आकर्षित होने की उम्मीद है। इस क्षेत्र ने 12-15 प्रतिशत की अभूत पूर्व वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है और 14सालपहले रु.अब2024 में 2,500 करोड़ का टर्नओवर। 30,000 करोड़ से ज्यादा का कारोबार दर्ज किया गया है.

गुजरात, 03 सितंबर, 2024: भारतीय आइसक्रीम एक्सपो (आईआईसीई) का बहुप्रतीक्षित 12वां संस्करण आज हेलीपैड प्रदर्शनी केंद्र, गांधीनगर में शुरू हो गया है। 3 से 5 सितंबर, 2024 तक आयोजित होने वाला प्रमुख कार्यक्रम आइसक्रीम उद्योग की विकसित स्थिति को प्रदर्शित करेगा।

भारतीय आइसक्रीम निर्माता संघ (आईआईसीएमए) द्वारा आयोजित और एआईएम इवेंट्स द्वारा संचालित, आईआईसीई 2024 आइसक्रीम क्षेत्र में नवीनतम नवाचारों, रुझानों और प्रगति का प्रदर्शन करेगा। यह एक्सपो बहुमूल्य जानकारी और नेटवर्किंग के साथ-साथ उद्योग में शामिल उन लोगों के साथ सह योग का अवसर भी प्रदान करता है जो उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक अव लोकन प्राप्त करने की उम्मीद करते हैं।

IICE को इस एक्सपो में हायर की टाइटल पार्टनरशिप के साथ प्लेटिनम पार्टनर के रूप में दमती ग्रुप, केप ग्रुप, स्टारलैंड ग्रुप (लोटस मशीनरी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड) का समर्थन मिला है। गोल्ड पार्टनर के रूप में डीपी चॉकलेट्स, मोरडे फूड्स, माइक्रोन और नेक्स्टजेन (श्रुति आइस मैक) ने इस आयोजन को सुनहरा स्पर्श दिया है। सह-साझेदार के रूप में कॉस्मो प्लास्टिक को बहुत धन्यवाद।

लोकसभा सदस्य पुरूषोत्तम रूपाला, इंडियन डेयरी एसोसिएशन के अध्यक्ष और **NIFTEM-T** के अध्यक्ष डॉ. आरएस सोढ़ी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

घ्र्ष्2024 की शुरुआत **IICMA** के गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ अमूल, वाडीलाल, स्कूप्स, हैवमोर, होक्को, हैंग्यो, अरुण, नेचुरल्स, डेयरी क्लासिक, डेयरी डॉन, क्रीमबेल, दिनशॉज़, पेस्टनजी, टॉप एन टाउन, अप्सरा, पब्बा शीर्ष आइसक्रीम ब्रांडों के साथ हुई।

Amazon.in ने अहमदाबाद में होम, किचन और आउटडोर कारोबार में दो अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की

अहमदाबाद, 3 सितंबर 2024: आज **Amazon.in** ने गुजरात और अहमदाबाद में होम, किचन और आउटडोर कारोबार में 30ङ्क वार्षिक बढोतरी होने की घोषणा की। बताया गया है कि भारत के सबसे भरोसेमंद ऑनलाइन प्लेटफार्म पर खरीदारी करने वाले नए ग्राहकों की संख्या में लगभग 20ङ्क की वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र में खेल और फिटनेस उत्पादों की मांग में 20ङ्क की वृद्धि देखी गई है। गुजरात में सबसे लोकप्रिय खेल क्रिकेट है जिसके सामान में 60ङ्क वार्षिक वृद्धि देखी गई। इसके अलावा, ग्राहक फिटनेस और मन की शांति के लिए योग की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिससे पूरे राज्य में योग संबंधी सामान में 40ङ्क वार्षिक वृद्धि देखी गई है।

अमेज़न इंडिया के होम, किचन और आउटडोर के डायरेक्टर, के एन श्रीकांत ने इस अवसर पर कहा, ठ्रैंस्दिह.ग्ह पर, हम अपने प्रिय ग्राहकों से मिल रहे सतत् सहयोग और विश्वास से काफी खुश हैं,

उनका यह विश्वास भारत के सबसे भरोसेमंद, पसंदीदा और प्रिय ऑनलाइन मार्केटप्लेस के रूप में हमारी मजबूत स्थिति की पुष्टि करता है। 'हर मुस्कान की अपनी दुकान' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, हमें विविध प्राइस प्वाइंट्स पर टॉप ब्रांड के उत्पादों की विस्तृत रेंज में ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के लिए प्रेरित करती है। अहमदाबाद हमारे लिए खास महत्व रखता है, और हम शहर में ॅंस्दिह.ग्ह के होम और किचन एक्सपीरियंस एरिना को पेश करने के लिए काफी रोमांचित हैं। आने वाले त्योहारी सीजन के लिए हमने पूरी तैयारी कर ली है और हम अपने ब्रांड भागीदारों, विक्रेताओं की सेवा करने और खूबसूरत राज्य गुजरात और शेष भारत में ग्राहकों को प्रसन्न करने के लिए रोमांचित हैंठ

गुजरात एक महत्वपूर्ण मार्किट होने के नाते, अमेज़न इंडिया के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत के सबसे पसंदीदा मार्केटप्लेस के रूप में, ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस राज्य और देश भर में स्थानीय स्टोर और एमएसएमई के साथ काम करना जारी रखेगा और नए उपकरण, तकनीक, नवाचार और नए कदम उठाएगा, जो भारतीय व्यवसाय की उद्यमशीलता की भावना को उजागर करेगा।ॅंस्दिह.ग्ह के पास राज्य में 2 लाख से अधिक विक्रेता, और 1 पूर्ति केंद्र के साथ-साथ अहमदाबाद में 1 और सूरत में 1 सॉर्टेशन सेंटर है।।

वैशाली फार्मा लिमिटेड की 1:1 बोनस इश्यू और 1:5स्टॉक स्प्लिट की सिफारिश; इनोवेशन के साथ अपनी मजबूत विकास गति जारी रखने की उम्मीद

मुंबई, 3 एज्ञ्सी 2024 - मुंबई स्थित वैशाली फार्मा लिमिटेड **(NSE – VAISHALI)** के बॉर्ड ऑफ डिरेक्टर्स ने 28 अगस्त, 2024 को आयोजित बैठक में स्टॉक विभाजन के साथ 1:1 के अनुपात में बोनस इक्विटी शेयर जारी करने की सिफारिश की है (रिकॉर्ड तिथि पर कंपनी में रखे गए प्रत्येक 1 इक्विटी शेयर के लिए 1 बोनस इक्विटी शेयर) जो आवश्यक नियामक और शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। कंपनी ने रु. 10 अंकित मूल्य के 1 इक्विटी शेयर को रु. 2 के अंकित मूल्य के 5 इक्विटी शेयरों में उप-विभाजन को मंजूरी दे दी। बोनस इश्यू का उद्देश्य मौजूदा शेयरधारकों को पुरस्कृत करना, तरलता बढ़ाना और शेयरधारक आधार का विस्तार करना है।

बोर्ड ने राइट्स इश्यू, प्राइवेट प्लेसमेंट, क्वालिफाइड इन्स्टिटयूशन्स प्लेसमेंट (क्यूआईपी), प्रेफरन्शियल इश्यू या किसी अन्य विधि के माध्यम से इक्विटी शेयर, डिबेंचर या अन्य सिक्योरिटीज के माध्यम से धन जुटाने के प्रस्ताव पर भी विचार किया।

मजबूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और वितरण नेटवर्क द्वारा समर्थित कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 के पहली तिमाही के लिए मजबूत वित्तीय प्रदर्शन की सूचना दी थी। 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में कंपनी की बिक्री 34.70ङ्क बढ़कर रु. 18.08 करोड़ हुई, जबकि वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही के दौरान यह रु. 13.42 करोड़ थी। कंपनी का शुद्ध लाभ जून 2023 को समाप्त पिछली तिमाही में रु. 1.59 करोड़ के मुकाबले 7.13ङ्क बढ़कर रु. 1.70 करोड़ हो गया।

इस विषय पर टिप्पणी करते हुए, वैशाली फार्मा लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री अतुल वसाणी ने कहा, ''हमें अपने हितधारकों को सूचित करते हुए गर्व हो रहा है कि कंपनी अपनी दीर्घकालिक विकास रणनीति में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है और उत्कृष्ट परिचालन एवं वित्तीय परिणाम दे रही है। स्टॉक विभाजन और बोनस शेयरों पर विचार शेयरधारकों को पुरस्कृत करने और उनका दीर्घकालिक विश्वास और विश्वास अर्जित करने के कंपनी के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

इस साल भी जिग्नेश कविराज नवरात्रि पर अहमदाबाद में गरबा की धूम मचाएंगे

अहमदाबादः गरबा का नाम सुनते ही हर गुजराती और अहमदाबादी के पैर थिरकने लगते हैं। नवरात्रि में अब कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में सभी आयोजक नवरात्रि की तैयारियों में जुट गए हैं। शहर की माँ इवेंट मैनेजमेंट एवं तक्ष डिजिटल ने 3 से 11 अक्टूबर यानी 9 दिनों की नवरात्रि के दौरान भाड़ज, अहमदाबाद के जय माड़ी फार्म में ठमाँ नवरात्रिठ का आयोजन किया है।

नवरात्रि में गरबा खेलने का मजा तभी आता है जब आपके सामने कोई सुपर सिंगर गरबा गा रहा हो। ऐसे में जब मशहूर जिग्नेश कविराज नवरात्रि के 9 दिनों में गरबा परफॉर्म करने वाले हो तो ज्यादा सोचने की आवश्यकता नहीं रहती। पिछले साल की तरह इस

साल भी जिग्नेश कविराज अहमदाबाद में गरबा परफॉर्म करेंगे। इस संबंध में माँ इवेंट मैनेजमेंट के संस्थापक जयदीप सिंह गोहिल और तक्ष डिजिटल के सदस्यों के साथ गायक जिग्नेश कविराज ने बोपल, अहमदाबाद के राज थाल में आयोजित कार्यक्रम में नवरात्रि में आयोजित होने वाले माँ नवरात्रि के बारे में जानकारी दी।

इस साल गरबा प्रेमियों के बीच काफी उत्साह है। गरबा उत्साही लोग गरबा खेलने के लिए उत्सुक हैं। माँ इवेंट मैनेजमेंट और तक्ष डिजिटल के आयोजकों ने प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा है। उन्होंने कहा, संगीत में कुछ प्रयोग के साथ हमारी गरबा परंपरा को संरक्षित करते हुए गरबा खेला जाएगा। गरबा खेलने का स्थल गरबा प्रेमियों को पर्याप्त जगह प्रदान करेगा। नवरात्रि के 9 दिनों के दौरान, लगभग 1,50,000 लोग आएंगे और 12 फूड स्टॉल होंगे।

गायक जिग्नेश कविराज ने कहा, गरबा करने वाला प्रत्येक व्यक्ति मेरे लिए ऊर्जा का स्त्रोत हैं और मुझे उनसे सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। अहमदाबाद में अलग-अलग शहरों के लोग रहते हैं, इसलिए गुजरात के सभी लोगों के लिए गरबा परफॉर्म करना मेरे लिए गर्व की बात है। अहमदाबादवासियों ने पिछले साल अभूतपूर्व प्यार दिया और मैं इस साल भी उनका उत्साह और प्यार बरकरार रखने की पूरी कोशिश करूंगा।ठ

बिगब्लॉक कंस्ट्रक्शन लिमिटेड ने वार्षिक आम बैठक में 1:1 बोनस इश्यू को मंजूरी दी

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 20ङ्क - रु. 0.40 प्रति इक्विटी शेयर अंतिम डिविडन्ड और अधिकृत शेयर पूंजी को रु. 15 करोड़ से रु. 30 करोड़ बढ़ाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी

सूरत, 22 जुलाई, 2024: भारत में एयरेटेड ऑटोक्लेव्ड कंक्रीट (एएसी) ब्लॉक, ब्रिक्स और पैनल के सबसे बड़े निर्माताओं में से एक बिगब्लॉक कंस्ट्रक्शन लिमिटेड ने 29 अगस्त, 2024 की वार्षिक आम बैठक में 1:1 के अनुपात में बोनस इक्विटी शेयर जारी करने को मंजूरी दी है। कंपनी रिकॉर्ड तिथि के अनुसार शेयरधारकों द्वारा रखे गए प्रत्येक रु. 2 के मौजूदा इक्विटी शेयर के लिए रु. 2 का एक बोनस इक्विटी इश्यू शेयर करेगा। बोनस इश्यू का उद्देश्य मौजूदा शेयरधारकों को पुरस्कृत करना, तरलता बढ़ाना और शेयरधारक आधार का विस्तार करना है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 20ङ्क यानी रु. 0.40 प्रति इक्विटी शेयर पर अंतिम डिविडन्ड की घोषणा को भी मंजूरी दे दी है। अंतिम डिविडन्ड के भुगतान के लिए रिकॉर्ड तिथि शुक्रवार,

26 जुलाई, 2024 है। प्रमोटर समूह के शेयरधारक, जिसमें कंपनी के 60.18ङ्क शेयरशामिल हैं, कंपनी के आगामी विस्तार को ध्यान में रखते हुए अपने डिविडन्ड (वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए अंतिम डिविडन्ड) का त्याग कर रहे हैं।

बिगब्लॉक कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के चेयरमैन श्री नारायण साबू ने कहा, ''हमारी कंपनी एएसी ब्लॉक उद्योग में बड़ा बदलाव लाने के लिए तैयार है। इसके अलावा, हमारे वफादार शेयरधारकों को पुरस्कृत करने और तरलता को बढ़ावा देने के लिए, बोर्ड ने एक बोनस इश्यू की सिफारिश की है। यह कदम हमारे इक्विटी आधार को बढ़ाएगा और निरंतर विकास का समर्थन करेगा। हम निरंतर गति का अनुमान हैं और आने वाले वर्षों में और उपलब्धियों की आशा करते हैं।''

फ़ेडरल बैंक भारत की नवोन्वेषी फेशियल पेमेंट सुविधा स्माइलपे™ का शुभारंभ करने वाला देश का पहला बैंक

अहमदाबाद : भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, फेडरल बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए वित्तीय लेनदेन पूरा करने के लिए एक नई प्रौद्योगिकी सुविधा, स्माइलपे **(SmilePay™)** का शुभारंभ करने की घोषणा की है । इस अभूतपूर्व तकनीक की बदौलत, ग्राहक केवल अपने चेहरे के स्कैन से वित्तीय लेनदेन पूरा कर सकेंगे । भारत द्वारा अपनी स्वतंत्रता की 78 वीं वर्षगांठ मनाने के अवसर पर बैंक द्वारा शुभारंभ की गई यह नई सुविधा वित्तीय स्वतंत्रता और सुविधा की दिशा में देश की सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है । स्माइलपे का अनावरण ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में फेडरल बैंक की कार्यकारी निदेशक श्रीमती शालिनी वारियर द्वारा किया गया।

भारत के दो सबसे बड़े कॉर्पोरेट समूह, रिलायंस रिटेल और अनन्या बिड़ला के नेतृत्वमेंस्वतंत्रमाइक्रो हाउसिंग (एस एमएचएफसी) अपने चुनिंदा आउट लेट्स/शाखाओं में उपभोक्ताओं के लिए इस नवोन्मेषी तकनीक का संचालन करने वाले पहले समूह में से एक रहे है ।

फेडरल बैंक की कार्यकारी निदेशक श्रीमती शालिनी वारियर ने नई सुविधा की सराहना करते हुए कहा, ठस्माइलपे सिर्फ एक उत्पाद, एक विकल्प नहीं है, बल्कि एक एकीकृत और कुशल वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम यह देखने के लिए बहोत ही उत्साहित हैं कि, यह तकनीक हमारे ग्राहकों के बैंकिंग अनुभव को कैसे बदल देगी ।

Adani Enterprises Limited

adani

This is an advertisement for information purpose only and is not a prospectus announcement.

An opportunity to subscribe to one of India's largest listed business incubators*

Public Issue of Secured, Rated, Listed, Redeemable, Non - Convertible Debentures

Effective Yield (Annual) upto

9.90% p.a.

(60 months)^

ISSUE OPENS TODAY

ISSUE CLOSES ON: TUESDAY, SEPTEMBER 17, 2024**

Allotment on first come, first serve basis#

- **Security Cover: 1.1 X**
- **Minimum Application: ₹10,000/- (10 NCDs) across all series (and in multiple of ₹1000/- (1 NCD each) thereafter)**
- **Tenor: 24, 36 & 60 months (with Quarterly, Annual or Cumulative interest payment options)**
- **Credit Rating: "CARE A+; Positive (Single A Plus; Outlook: Positive)" by CARE Ratings Limited**
- **Mode of Application in Issue: ASBA only • Subject to applicable tax deducted at source.**

* *In terms of market capitalization, Source: BSE / NSE for disclaimer statement please refer to page 259 of the Prospectus dated August 27, 2024.*
^ *For details across all Series please refer to "Issue structure" beginning on page 276 of the Prospectus dated August 27, 2024.*

DISCLAIMER OF THE ISSUER: Adani Enterprises Limited ("**Company**"), subject to market conditions, and other considerations, is proposing a public issue of secured, rated, listed, redeemable, non-convertible debentures ("**NCDs**") and has filed the prospectus dated August 27, 2024 read with the corrigendum dated August 31, 2024 ("**Prospectus**"). This announcement does not constitute an offer to sell or solicitation of an offer or invitation to buy any securities in any jurisdiction. Investment in the NCDs involves a degree of risk. Investors should see the Prospectus filed by Adani Enterprises Limited with the Registrar of Companies, Gujarat, Dadra & Nagar Haveli at Ahmedabad, BSE Limited ("**BSE**"), National Stock Exchange of India Ltd.("**NSE**") and Securities and Exchange Board of India ("**SEBI**"), including the section titled "*Risk Factors*" beginning on page 16 of the Prospectus, available on the websites of SEBI at www.sebi.gov.in, BSE at www.bseindia.com, NSE at www.nseindia.com and the websites of the leader managers to the Issue, being, Trust Investment Advisors Private Limited, A. K. Capital Services Limited, Nuvama Wealth Management Limited (together, the "**Lead Managers**") at www.trustgroup.in, www.akgroup.co.in and www.nuvama.com. Investors proposing to participate in the Issue should note that investment in the NCDs involves a high degree of risk and for details in relation to the same, refer to the Prospectus, including the sections titled "*Risk Factors*" and "*Material Developments*" beginning on pages 16 and 227 respectively of the Prospectus dated August 27, 2024. The Company and the Lead Managers accept no responsibility for statements made otherwise than in the Prospectus or in the advertisement or any other material issued by or at the instance of the Company and that anyone placing reliance on any other source of information would be doing so at their own risk.

DISCLAIMER CLAUSE OF BSE: It is to be distinctly understood that the permission given by BSE should not in any way be deemed or construed that the Draft Offer Document has been cleared or approved by BSE nor does it certify the correctness or completeness of any of the contents of the Prospectus. The investors are advised to refer to the section titled "*Other Regulatory and Statutory Disclosures*" of the Prospectus on Page 259 for the full text of the disclaimer clause of the BSE.

DISCLAIMER CLAUSE OF NSE: It is to be distinctly understood that the permission given by NSE should not in any way be deemed or construed that the Draft Prospectus has been cleared or approved by NSE nor does it certify the correctness or completeness of any of the contents of the Draft Prospectus. The investors are advised to refer to the section titled "*Other Regulatory and Statutory Disclosures*" of the Prospectus on Page 259 for the full text of the "Disclaimer clause of the NSE".

DISCLAIMER CLAUSE OF USE OF BSE ELECTRONIC PLATFORM: It is to be distinctly understood that the permission given by the BSE to use their network and software of the Online system should not in any way be deemed or construed as compliance with various statutory requirement approved by the Exchange; nor does it any manner warrant, certify or endorse the correctness or completeness of any of the compliance with the statutory and other requirements; nor does it take any responsibility for the financial or other soundness of the Company, its promoters, its management or any scheme or project of the Company. It is also to be distinctly understood that the approval given by the Exchange is only to use the software for participating in system of making application process.

DISCLAIMER CLAUSE OF USE OF NSE ELECTRONIC PLATFORM: It is distinctly understood by the Issuer that the permission given by NSE to use their Infrastructure should not in any way be deemed or construed as that the compliance with various statutory and other requirements by Adani Enterprises Limited, LMs, etc. are cleared or approved by NSE; nor does it in any manner warrant, certify or endorse the correctness or completeness of any of the compliance with the statutory and other requirements nor does it take any responsibility for the financial or other soundness of the Issuer, its promoters, its management or any scheme or project of the Issuer. It is also distinctly understood that the approval given by NSE should not in any way be deemed or construed that the prospectus has been cleared or approved by NSE; nor does it in any manner warrant, certify or endorse the correctness or completeness of any of the contents of the prospectus; nor does it warrant that the securities will be listed or will continue to be listed on the Exchange.

Allotment in the public issue of debt securities shall be made on the basis of date of upload of each application into the electronic book of the Stock Exchange in accordance with the SEBI NCS Master Circular. However from the date of over subscription and thereafter, the allotment will be made to the applicants on proportionate basis.

** *Issue shall remain open for subscription on Working Days from 10:00 AM to 5:00 PM (Indian Standard Time) during the period indicated above and is subject to early closure or extension. For further details, please refer to the section titled "Issue Related Information" on page 271 of the Prospectus*

For the disclaimers of CARE Ratings Limited and CareEdge Research, please refer to page 62 of the Prospectus dated August 27, 2024.
Capitalised terms not defined herein shall have the same meaning as assigned to such terms in the Prospectus dated August 27, 2024.
For detailed terms and conditions, please refer to the Prospectus.
Link to download Abridged Prospectus: https://www.adanienterprises.com/-/media/Project/Enterprises/Investors/Investor-Downloads/Others/Adani-Enterprises-Limited-Abridged-Prospectus.pdf

Registered and Corporate Office: Adani Corporate House, Shantigram, Near Vaishno Devi Circle, S. G. Highway, Khodiyar, Ahmedabad - 382 421, Gujarat, India. **Tel.:** +91 (79) 2555 4412; **Fax:** +91 (79) 2555 5500; **www.adanienterprises.com**

Please scan the QR code to view the Abridged Prospectus

Adfactors 299

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95